पेज -2

पेज -8

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भत्य खबर

RNI.No.- DELHIN/2016/68042

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, रविवार, 26 जनवरी 2025, वर्ष :8, अंक : 299, पृष्ठ : 08, मूल्य : 2 रु.

नई दिल्ली से प्रकाशित व यूपी, उत्तरराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड में प्रसारित

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति मुर्मू ने किया देश को संबोधित

कहा- संविधान हमारी सामूहिक अस्मिता का आधार

नई दिल्ली ।

76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। अपनी स्पीच की शुरुआत उन्होंने देश को बधाई देकर की। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान एक जीवंत दस्तावेज है, जो हमारी सामाजिक अस्मिता का मूल आधार है। किसी राष्ट्र के इतिहास में 75 साल का इतिहास पलक झपकने जैसा होता है। भारत के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है। इस काल खंड में भारत की चेतना जागी। इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सबको संबोधित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

द्रौपदी मुर्मू देश की 15वीं राष्ट्रपति हैं। वे इस सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचने वाली देश की पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। 64 साल की मुर्मू ने साल 2022 देश में सबसे कम उम्र में राष्ट्रपति बनने का रिकॉर्ड भी बनाया। राष्ट्रपति ने कहा कि आज हमें उन वीरों को याद करना चाहिए जिन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। कुछ के नाम प्रसिद्ध हुए, तो कुछ को हाल ही में पहचान मिली। इस साल हम भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहे हैं, जो ऐसे स्वतंत्रता सेनानियों के प्रतीक हैं जिनके योगदान को अब सही तरीके से माना जा रहा है। 20वीं सदी की शुरुआत में इन संघर्षों ने एक संगठित आजादी की लड़ाई का रूप लिया। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात थी कि महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर और बाबासाहेब अंबेडकर जैसे महान लोग हमारे साथ थे, जिन्होंने देश को लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने में मदद की। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हमारे देश की सभ्यता का हिस्सा रहे हैं।

किसानों-मजदूरों के हाथ में पैसा आया

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे किसान भाई-बहनों ने कड़ी मेहनत की और हमारे देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया है। हमारे मजदूर भाई-बहनों ने अथक परिश्रम करके हमारे इन्फ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की कायापलट कर दी है। उनके शानदार प्रदर्शन के दम पर आज भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया के आर्थिक परिदृश्य को प्रभावित कर रही है। हाल के वर्षों में आर्थिक विकास की दर लगातार ऊंची रही है, जिससे हमारे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं, किसानों और मजदूरों के हाथों में अधिक पैसा आया है तथा बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। साहसिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधारों के बल पर, आने वाले वर्षों में प्रगति की यह रफ्तार बनी रहेगी।

सरकार ने जनकल्याण को नई परिभाषा दी

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सरकार ने जन-कल्याण को नई परिभाषा दी है, जिसके तहत आवास और पेयजल जैसी बुनियादी जरूरतों को अधिकार माना गया है। वंचित वर्गों के लिए, विशेष रूप से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों की मदद करने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

अनुसूचित-जनजाति-समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए विशेष योजनाएं बनाई गई हैं, जिनमें धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान पीएम-जनमन - शामिल हैं। विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतू समुदायों के लिए विकास एवं कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है।

हम उपनिवेशी मानसिकता के अंश खत्म कर रहे

मुर्मू ने कहा कि वर्ष 1947 में हमने स्वाधीनता प्राप्त कर ली थी, लेकिन कोलोनियल मेंटेलिटी का कुछ हिस्सा लंबे समय तक लोगों के मन में रहा। हाल के दौर में उस मानसिकता को बदलने की ठोस कोशिश हमें दिखाई दे रहे हैं। इन कोशिशों में इंडियन पीनल कोड, क्रिमिनल प्रोसिजर कोड और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू करने का फैसला शामिल है।

पहला कॉलम

1 फरवरी को संगम में परिवार के साथ डुबुकी लगाएंगे उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वे अपने परिवार के साथ एक फरवरी को महाकुंभ में संगम में डुबकी लगाएंगे। अवध शिल्प ग्राम में उत्तर प्रदेश के 76वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर धनखड़ ने राज्य के उल्लेखनीय कायाकल्प और भारत की विकास गाथा में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख कर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों को सराहा। धनखड़ ने एक फरवरी को महाकुंभ में शामिल होने के योगी के निमंत्रण को स्वीकार करने की घोषणा की। उन्होंने कहा, ÷मैं अपने परिवार के साथ संगम में डुबकी लगाऊंगा और राष्ट्र की सेवा के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित करने का संकल्प लूंगा। यह मेरे लिए गर्व का पल होगा।

केजरीवाल और सिसोदिया को व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट मिली

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं मनीष सिसोदिया तथा दुर्गेश पाठक को आबकारी मामले में व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी, क्योंकि वे आगामी चुनावों के लिए प्रचार कर रहे हैं। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने आप के तीनों नेताओं के अनुरोध पर राहत दी कि वे व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने में असमर्थ हैं, क्योंकि वे चुनावों के लिए ''प्रचार'' में लगे हुए हैं। न्यायाधीश ने कहा, ''अनुरोध के तहत, याचिकाकर्ताओं को आज केवल अधिवक्ता के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से छूट दी जाती है...मामले की सुनवाई तीन फरवरी तक स्थगित होती है। धन शोधन का यह मामला सीबीआई के मामले पर आधारित है, इस दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा आबकारी नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं की जांच की सिफारिश करने के बाद दर्ज किया गया था।

भारत रत्न देने की विचाराधीन सूची में मनमोहन और रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर

पटना। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न के लिए विचाराधीन सूची में पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह और उद्योगपति रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर है। इनके अलावा बिहार के सीएम नीतीश कुमार, ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक, दामोदर सावरकर, समाजसेवी ज्योतिबा फुले के नामों पर भी विचार किया जा रहा है। इस सूची में कई और नाम भी शामिल हैं। गणतंत्र दिवस के आसपास भारत रत्न के लिए चुने गए नामों की घोषणा होती है। डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद तेलंगाना सरकार ने विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर पूर्व पीएम को भारत रत्न देने की मांग की थी। पिछले साल उद्योगपति रतन टाटा के निधन के बाद अक्टूबर में महाराष्ट्र कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित कर उन्हें भारत रत्न देने की मांग केंद्र से की थी। महाराष्ट्र बीजेपी ने सावरकर, ज्योतिबा फुले को भी भारत रत्न देने का प्रस्ताव भेजा था। बीजेपी सांसद व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार और नवीन पटनायक को सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजे जाने की सिफारिश की है।

अब माल्या, नीरव, अर्शदीप, राणा जैसे भगोड़े लाए जाएंगे भारत?

कई प्रत्यर्पण मामलों की भारत विदेशों में लड़ रहा लड़ाई

मुंबई।

मुंबई हमले के दोषी आतंकी तहव्वुर राणा को अब भारत लाया जाएगा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पाकिस्तानी-कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने का रास्ता साफ कर दिया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने तहव्वुर राणा की दोषसिद्धि के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। साथ ही उसके भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। भारत से भागे कई और भगोड़ों को भी वापस लाने की कोशिश की जा रही है। कई प्रत्यर्पण मामलों पर की भारत विदेशों में लड़ाई लड़ रहा है। इनको भारत लाने के लिए गई एजेंसियां लगी हैं। अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डल्ला खालिस्तानी आतंकवादी है। वह प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स का नेता है। वह कनाडा में छिपा हुआ है। वह भारत में हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन वसूली और आतंकवादी गतिविधियों के 50 से ज्यादा मामलों का आरोपी है। उसे जनवरी 2004 में आतंकवादी घोषित किया गया था। अनमोल बिश्नोई लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई है। वह भारत में कई हाई-प्रोफाइल मामलों में अपराधी है। इनमें पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला और मुंबई के दबंग राजनेता और एनसीपी के बाबा सिद्दीकी की हत्या में शामिल हैं। उसे पिछले नवंबर में अमेरिका में वैध दस्तावेजों के बिना देश में प्रवेश करने के लिए गिरफ्तार किया गया था। विजय माल्या पर 9 हजार करोड़ रुपए से अधिक के ऋण डिफॉल्ट का मामला है। वह 2016 में भारत छोड़कर भाग गया था। वह वर्तमान में यूके में है। किंगफिशर एयरलाइंस के पतन के बाद धोखाधड़ी के लिए भारत में वांटेड है। उसे भारत ने 2019 में भगोड़ा घोषित किया था।

नीरव मोदी और मेहुल चोकसी दोनों हीरा व्यापारी हैं। दोनों 14 हजार करोड़ रुपए के पीएनबी ऋण धोखाधड़ी मामले के मुख्य आरोपी हैं। दोनों 2018 में भारत से भाग गए थे। दोनों को उसी साल लंदन में गिरफ्तार किया गया था। नीरव मोदी के पास अब भारत के प्रत्यर्पण के खिलाफ कोई विकल्प नहीं है। मेहुल चोकसी अब एंटीगुआ में हैं। वहीं तहव्वुर राणा यह पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों में वह वांटेड है।

29 से सक्रिय होगा प्रश्चिम विक्षोम..फिर आएगा तेज सर्दी का एक और दौर

नई दिल्ली।

भारतीय मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर में अगले 5 दिन में सुबह का तापमान बढ़ने और रात का 1-3एडिग्री गिरने का अनुमान है। हिमाचल में अगले 4 दिन तक बर्फबारी-बारिश के आसार नहीं है। 5 जिजों में कोल्ड वेव का येलो अलर्ट है। 29 जनवरी को प्रश्चिम विक्षोम के फिर से सक्रिय होने का अनुमान है। इससे बाद फिर से बर्फबारी का एक दौर आ सकता है।

बिहार के 11 जिलों में कोल्ड-डे और 15 जिलों में घने कोहरे का येलो अलर्ट है। अगले दो दिनों तक ठंड से राहत नहीं मिलेगी। न्यूनतम तापमान 8 से 14 डिग्री के बीच रह सकता है। पंजाब के 6 जिलों में कोल्ड वेव की चेतावनी है। मध्यप्रदेश में उत्तर से आ रही बर्फीली हवाओं की कारण फिर से ठंड बढ़ी है।

जम्मू-कश्मीर में चिल्लई-कलां के 5 दिन बाकी

जम्मू-कश्मीर में 21 दिसंबर से शुरू हुए चिल्लई-कलां खत्म होने में अभी 5 दिन बाकी है। 40 दिन तक चलने वाला तेज ठंड का दौर 30 जनवरी को खत्म होगा। इसके बाद 20 दिनों का चिल्लई-खुर्द (छोटी सर्दी) और 10 दिनों का चिल्लई-बच्चा (कम सर्दी) का मौसम रहेगा।

अगले 2 दिन के मौसम का हाल...

26 जनवरी: पश्चिम बंगाल-बिहार में कोहरा रहेगा। बिहार में कोल्ड-डे भी रहेगा।

27 जनवरी: ओडिशा, सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, मेघालय, असम में कोहरा रहेगा।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुबियांतो का राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने किया स्वागत

प्रबोवो ने कहा-भारत ने हमारी स्वतंत्रता संघर्ष में समर्थन किया वह सच्चा दोस्त

नई दिल्ली।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी ने उनका स्वागत किया। उनकी यात्रा भारत-इंडोनेशिया संबंधों में एक महत्वपूर्ण अध्याय है, क्योंकि राष्ट्रपति प्रबोवो भारत के 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। राष्ट्रपति प्रबोवो गुरुवार शाम नई दिल्ली पहुंचे थे और एयरपोर्ट पर विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने उनका स्वागत किया था।

स्वागत के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रबोवो ने सम्मान के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो ने कहा कि आज उन्हें मिले महान सम्मान के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। इंडोनेशिया भारत को अपना बहुत करीबी दोस्त मानता है। भारत उन देशों में से एक था, शायद पहला, जिसने हमारी स्वतंत्रता को मान्यता दी और स्वतंत्रता के लिए हमारे संघर्ष में हमारा समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मैं आज बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं और आपके गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि बनकर दोगुना सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं भारत के साथ घनिष्ठ सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हूं। यह मेरा दृढ़ संकल्प है। बता दें कि अक्टूबर 2024 में पदभार ग्रहण करने के बाद प्रबोवो की यह पहली आधिकारिक भारत यात्रा है। वह राजघाट में पुष्पांजलि समारोह में भाग लेंगे और दोपहर में हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी के साथ बैठक करेंगे। बैठक में समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया जाएगा। वह ताज होटल में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मिलेंगे, उसके बाद राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे।

सीमा पर जमीन से आई अजीब सी आवाज, खोदा तो जवान रह गए दंग

-जमीन के अंदर मिले तीन बंकर, प्रतिबंधित कप सिरप की हो रही थी तस्करी

नई दिल्ली।

भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में खटास बढ़ती जा रही है। वहीं, बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में अवैध प्रवेश चिंता की विषय बना हुआ है। भारत अवैध प्रवेश और तस्करी को रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इस क्रम में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सीमा पर जमीन के अंदर तीन बंकर मिले है। भारत-बांग्लादेश में बढ़े टेंशन के बीच बीएसएफ बॉर्डर पर पेट्रोलिंग बढ़ा दी है।

भारतीय सेना बॉर्डर पर तारों की फेंसिंग लगाने की काम कर रही थी। बीजीबी ने भारत पर भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय समझौता के उल्लंघन का आरोप लगाया है, लेकिन उसके मंसूबों पर शक तक होने लगता है, जब सीमा पर स्थित नादिया जिले के एक गांव से एक नहींज.एक साथ तीन बंकर मिले हैं। ये बंकर भारत के जवानों को चकमा देने और तस्करी के उद्देश्य से बनाए गए थे। हालांकि, जवानों ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया और इलाके में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। बीएसएफ ने गुप्त सूचना पर नादिया जिले के माजदिया गांव के एक बगीचे में सर्च ऑपरेशन चलाया है। नादिया के माजदिया में बांग्लादेश की सीमा के पास जमीन के नीचे तीन बंकर मिलने से हड़कंप मच गया। बीएसएफ ने इन बंकरों के अंदर से प्रतिबंधित कफ सिरप की लाखों बोतलें बरामद की हैं। ये तीनों बंकर बांग्लादेश की सीमा से लगे मजदिया में एक बगीचे के अंदर से बरामद किए गए हैं। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि माजदिया सुधिरंजन लाहिड़ी कॉलेज के पास एक बगीचे के अंदर से जमीन के नीचे ये तीनों बंकर बनाए गए थे। सीमा रक्षकों का मानना है कि प्रतिबंधित कप सिरप की बोतलें बांग्लादेश में तस्करी के इरादे से लाई गई थीं लेकिन अब, चूंकि बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर निगरानी कड़ी कर दी है, इसलिए तस्करों के लिए इनकी तस्करी करना संभव नहीं है। बीएसएफ यह तलाश करने में जुट गई है कि क्या उस बगीचे या आसपास के इलाके में ऐसे कोई और गुप्त बंकर हैं इसके अलावा, पुलिस ने तस्करी गिरोह के उन सदस्यों की तलाश शुरू कर दी है जिन्होंने बंकर बनाया था या प्रतिबंधित सिरप लाए थे।

-जीएसएलवी-एफ15 मिशन स्वदेशी नेविगेशन उपग्रह प्रणाली को बढ़ाएगा आगे

इसरो 29 जनवरी को करेगा 100वां प्रक्षेपण, भारत फिर रचेगा इतिहास

श्रीहरिकोटा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ 100वें प्रक्षेपण के लिए तैयार है। इस मिशन के तहत जीएसएलवी-एफ15 रॉकेट के द्वारा एनवीएस-02 उपग्रह को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 29 जनवरी को लॉन्च करेगा। यह प्रक्षेपण भारत के स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम नेवआईसी को एक और मजबूत क्षमता प्रदान करेगा।

जीएसएलवी-एफ15 मिशन की उड़ान इसरों के लिए बहुत ही अहम है, क्योंकि यह भारत के स्वदेशी नेविगेशन उपग्रह प्रणाली नेवआईसी को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित करना है। एनवीएस-02, नेवआईसी प्रणाली का दूसरा उपग्रह है, जो सटीक स्थिति निर्धारण सेवाओं को और बेहतर बनाएगा।

यह भारत की स्वदेशी क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट प्रणाली है, जिसे विशेष रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में सटीक स्थिति, वेग और समय (पीवीटी) सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रणाली भारतीय भूभाग से करीब 1500 किलोमीटर दूर तक काम करती है। नेवआईसी में दो प्रकार की सेवाएं शामिल हैं–मानक पोजिशनिंग सेवा (एसपीएस), जो 20 मीटर तक की सटीकता देती है, और प्रतिबंधित सेवा (आरएस) जो अतिरिक्त नेविगेशन सुविधाएं देती है।

एनवीएस-02 उपग्रह दूसरी पीढ़ी का उपग्रह है और इसमें एक मानक आई-2के बस प्लेटफ़ॉर्म है। इसका लिफ्ट-ऑफ द्रव्यमान 2,250 किलोग्राम है और इसमें करीब 3 किलोवाट की पावर हैंडलिंग क्षमता है। इस उपग्रह में एल1, एल5 और एस बैंड में नेविगेशन पेलोड, और सी-बैंड में रेंजिंग पेलोड होगा। यह उपग्रह आईआरएनएसएस-1ई की जगह 111.75 डिग्री पूर्व में तैनात किया जाएगा।

इस प्रक्षेपण में इसरो की तकनीकी विशेषज्ञता और स्वदेशी क्रायोजेनिक चरणों का उपयोग किया जाएगा। जीएसएलवी-एफ15 रॉकेट की यह उड़ान जीएसएलवी की 17वीं उड़ान है और स्वदेशी क्रायोजेनिक चरण वाली 11वीं उड़ान है, जो इसरो की तकनीकी क्षमता को और मजबूती देती है। इस मिशन में धातु के पेलोड फेयरिंग का इस्तेमाल किया जाएगा और प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से होगा। एनवीएस-02 का प्रक्षेपण

इसरो की सफलता की दिशा में एक और कदम है। यह भारत के स्वदेशी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और नेविगेशन प्रणालियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके अलावा, एनवीएस-02 उपग्रह में स्वदेशी और खरीदी गई परमाणु घड़ियों का संयोजन है, जो सटीक समय निर्धारण के लिए बहुत ही अहम है।

आखिर कब समझेंगे हम गणतंत्र की मूल भावना?

योगेश कुमार गोयल

सही मायनों में गणतंत्र की मूल भावना को हमने आज तक समझा ही नहीं है। 'गणतंत्र' का अर्थ है शासन तंत्र में जनता की भागीदारी। हालांकि हम कह सकते हैं कि शासन तंत्र में जनता को पूर्ण भागीदारी मिली है किन्तु क्या यह वाकई पूर्ण सत्य है? देश का संविधान लागू होने के इन 75 वर्षों में भी क्या वास्तव में शासन तंत्र में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हुई है?

प्रतिवर्ष की भांति एक और गणतंत्र दिवस हमारी चौखट पर दस्तक दे चुका है। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रत्येक राष्ट्रप्रेमी के लिए यह गर्व का दिन है क्योंकि भारत ने देश की आजादी के बाद स्वयं का संविधान बनाकर 26 जनवरी 1950 के दिन इसे लागू कर इसी दिन प्रभुत्ता सम्पन्न सार्वभौमिक प्रजातंत्रात्मक गणराज्य बनने का गौरव हासिल किया था लेकिन कड़वा सच यह भी है कि तभी से प्रतिवर्ष 26 जनवरी का दिन गणतंत्र दिवस के रूप में मनाए जाने की रस्म अदायगी ही हो रही है। 26 जनवरी का दिन गणतंत्र दिवस के रूप मनाने की शुरूआत के पीछे मूल भावना यही थी कि देश का प्रत्येक नागरिक इस दिन संविधान की मयार्दा की रक्षा करने, स्वयं को देशसेवा में समर्पित करने तथा राष्ट्रीय हितों के प्रति आस्था का संकल्प ले, साथ ही इन पर अमल भी करे लेकिन विड़म्बना है कि गौरवान्वित कर देने वाले इस विशेष अवसर पर ऐसे संकल्पों को प्रतिवर्ष दोहराकर या स्मरण मात्र करते हुए हम अपने कर्त्तव्यों और उत्तरदायित्वों की इतिश्री कर लेते हैं।

सही मायनों में गणतंत्र की मूल भावना को हमने आज तक समझा ही नहीं है। 'गणतंत्र' का अर्थ है शासन तंत्र में जनता की भागीदारी। हालांकि हम कह सकते हैं कि शासन तंत्र में जनता को पूर्ण भागीदारी मिली है किन्तु क्या यह वाकई पूर्ण सत्य है? देश का संविधान लागू होने के इन 75 वर्षों में भी क्या वास्तव में शासन तंत्र में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हुई है? जनता को यह तो अधिकार है कि मतदान के जरिये वह अपना जनप्रतिनिधि चुने किन्तु एक बार संसद अथवा विधानसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद अगले पांच वर्षों तक इन जनप्रतिनिधियों पर उसका क्या कोई अंकुश रह जाता है? वास्तविकता यही है कि इसी प्रावधान का लाभ उठाते हुए राजनीतिक दल देश की जनता का चुनाव के समय महज एक वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल करते आए हैं और अपना मतलब निकलने पर जनप्रतिनिधियों पर जनता के दुख-दर्द के बजाय अपने लिए सुख-सुविधाओं का अंबार जुटाने की चिंता सवार हो जाती है और वे इसी कवायद में जुट जाते हैं कि येन-केन-प्रकारेण अगले चुनाव के लिए कैसे करोड़ों रुपयों का इंतजाम किया जाए। अहम सवाल यह है कि जिस राष्ट्र में जनता की भागीदारी चुनाव में सिर्फ वोट डालने और उसके बाद चुने हुए जनप्रतिनिधियों के आचरण से शर्मसार होकर आंसू बहाने तक ही सीमित रह गई हो, वहां ह्यगणतंत्रह्ण का भला क्या

महत्व रह गया है? खासतौर से ऐसी स्थिति में, जब गरीबी व भुखमरी से त्रस्त करोड़ों लोग चंद रुपयों की खातिर या लाखों लोग महज दो-चार शराब की बोतलों के लिए अपने वोट बेच डालते हों या ईवीएम के दौर में भी कुछ मतदान केन्द्रों पर गुंडागर्दी के बल पर वोट डलवाये जाते हों?

हालांकि इसमें कोई संशय नहीं कि हमें विशुद्ध रूप में एक प्रजातांत्रिक संविधान प्राप्त हुआ है, जिसमें प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक समुदाय, प्रत्येक सम्प्रदाय के लोगों के लिए बराबरी के अधिकार के साथ-साथ व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कुछ मूलभूत स्वतंत्रताओं की व्यवस्था भी की गई है, प्रत्येक नागरिक के लिए मूल अधिकारों का प्रावधान किया गया है किन्तु गणतांत्रिक भारत में पिछले 75 वर्षों के हालातों का विवेचन करें तो यही पाते हैं कि हमारे कर्णधार एवं नौकरशाह किस प्रकार संविधान के कुछ प्रावधानों के लचीलेपन का अनावश्यक लाभ उठाकर कदम-कदम पर लोकतांत्रिक मूल्यों को तार-तार करते रहे हैं। निसंदेह इससे लोकतंत्र की गरिमा प्रभावित होती रही है। संविधान निमार्ताओं ने कभी इस बात की कल्पना नहीं की होगी कि जिन लोगों के कंधों पर संविधान को लागू कराने की जिम्मेदारी होगी, वही इसके प्रावधानों का मखौल उड़ाते नजर आएंगे। ऐसी दयनीय परिस्थितियों को देखकर निश्चित रूप से संविधान निमार्ताओं की आत्मा खून के आंसू रोती होगी।

संसद-विधानसभाओं में एक-दूसरे के साथ मारपीट, घूंसेबाजी, चप्पल, माइक इत्यादि से प्रहार, कुर्सियां फैंकने जैसी घटनाएं भारतीय लोकतंत्र में शर्मनाक पैठ बना चुकी हैं। वक्त-बेवक्त संसद और विधानसभाओं के भीतर होती गुंडागर्दी सरीखी घटनाएं दुनियाभर में हमें शर्मसार करती रही हैं। जिस राष्ट्र में कानून बनाने वाले और देश चलाने वाले लोग ही ऐसी असभ्य हरकतें करने लगें, वहां अपराधों पर अंकुश लगाने की किससे अपेक्षा की जाए? संसद-विधानसभा सरीखे लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिरों में अपराधियों व बाहुबलियों का निर्बाध प्रवेश क्या एक स्वस्थ लोकतंत्र का संकेत है? चुनाव जीतने के लिए आज हर राजनीतिक दल में ऐसे लोगों को पार्टी में शामिल करने, चुनाव जीतने के लिए उनका इस्तेमाल करने के अलावा उन्हें ही पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़वाकर अपनी सीटें बढ़ाने के फेर में ऐसे दागी लोगों को लोकतंत्र के मंदिरों में प्रवेश दिलाने की होड़ सी लगी है। संसद और विधानसभाओं में धड़ाधड़ प्रवेश पाते अपराधियों का संख्या बल देखें तो यह 'प्रजातंत्र' या 'गणतंत्र' कम, 'अपराधतंत्र' अधिक लगने लगा है। अदालतें जब भी संसद या विधानसभाओं में अपराधिक तत्वों का प्रवेश रोकने की दिशा में कुछ सार्थक पहल करने की कोशिश करती हैं, तमाम राजनीतिक दल उसे संसद के अधिकार क्षेत्र में न्यायिक दखलंदाजी करार देते हुए हो-हल्ला मचाने लगते हैं।

राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सांसदों-विधायकों की रूचि लगातार कम हो रही है। प्रत्येक संसद सत्र में हंगामा व शोरशराबा करके संसद का बेशकीमती समय नष्ट कर देना जैसे एक परम्परा बन चुकी है। सदन से बहुत से सदस्य लंबे-लंबे समय तक गैरहाजिर रहते हैं। सर्वसम्मति के अभाव में देशहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण बिल लंबे समय तक लटके पड़े रहते हैं लेकिन आश्चर्य की बात है कि जब जनप्रतिनिधियों के वेतन-भत्ते अथवा अन्य ऐशोआराम की सुविधाएं बढ़ाने की बात आती है तो पूरा सदन एकजुट हो जाता है और ऐसे मामलों में पलक झपकते ही सर्वसम्मति बन जाती है। तब सदन में सदस्यों की उपस्थिति संख्या भी देखते ही बनती है। एक समय था, जब संसद में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सकारात्मक बहस होती थी लेकिन अब हर संसद सत्र हंगामे और शोरशराबे की भेंट चढ़ जाता है। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि संसद का एक-एक मिनट बहुमूल्य होता है। संसद के प्रत्येक मिनट के कामकाज पर ढ़ाई लाख रुपये से अधिक खर्च होते हैं अर्थात आठ घंटे की संसद की कार्रवाई पर बारह करोड़ रुपये से भी अधिक खर्च होते हैं। आए दिन इसी तरह संसद में हंगामे होने, सदन की कार्रवाई का बहिष्कार करने या सदन की कार्रवाई दिनभर के लिए स्थगित होने से देश को कितना आर्थिक नुकसान होता है, इसका अनुमान सहजता से लगाया जा सकता है। संसद अथवा विधानसभाओं की कार्रवाई पर होने वाला यह भारी-भरकम खर्च जनप्रतिनिधियों की जेबों से नहीं निकलता बल्कि इसका सारा बोझ देश की आम जनता वहन करती है। बहरहाल, सबसे बड़ा सवाल यही है कि 'गणतंत्र' की जो तस्वीर हमारे जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत की जा रही है, क्या हम उस पर गर्व कर सकते हैं? गणतंत्र दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर को इतनी धूमधाम से मनाए जाने का सही लाभ तभी है, जब न केवल देश का प्रत्येक नागरिक बल्कि बड़े-बड़े राजनेता और नौकरशाह भी संविधान की गरिमा को समझें और उसके अनुरूप अपने आचरण में पारदर्शिता भी लाएं।

संपादकीय

हिंसा का पाठ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने कहा है कि अहिंसा की अवधारणा की रक्षा के लिए कभी-कभी हिंसा जरूरी होती है। गुजरात विश्वविद्यालय के हिन्दू आध्यात्मिक सेवा मेला के उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा, हिन्दू सदा ही अपने धर्म की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपने धर्म की रक्षा के लिए हमें वे काम भी करने होंगे, जिन्हें दूसरे अधर्म करार देंगे और हमारे ऐसे काम हमारे पूर्वजों ने किए थे। जोशी ने महाभारत का हवाला देते हुए कहा कि पांडवों ने अधर्म को खत्म करने के लिए युद्ध के नियमों की अनदेखी की। हालांकि वसुधैव कुटुंबकम को आध्यात्मिक अवधारणा बताते हुए उन्होंने पूरी दुनिया को एक परिवार मानने की बात भी की। संघ नेता के विचारों में विरोधाभास स्पष्ट है। एक तरफ

वह हिंसा की बात कर रहे थे। दूसरी तरफ हिन्दू धर्म के केंद्र में मानवता की बात उठाई। संघ के पदाधिकारियों द्वारा कुछ अंतराल के बाद धमार्धारित विवादित बयान दिया जाना परंपरा बन चुकी है। चूंकि संघ की विचारधारा हिन्दुत्व के प्रचार और हिन्दू राष्ट्र को कठोरतापूर्वक लेकर चलती है; इसलिए वे ऐसे हथकंडे अपना कर बहुसंख्यकों को प्रभावित करने में कोई कोताही नहीं करना चाहते। एक तरफ वसुधैव कुटुंबकम जैसे जुमले का प्रयोग और उसके साथ ही हिंसा की बात करना तर्कसंगत नहीं लगता। दूसरे, पांडवों-कौरवों के युद्ध की यहां आवश्यकता स्पष्ट नहीं हो रही। हिन्दुत्व और सनातन हिन्दू धर्म के मर्म को देशवासी भले ही अपरोक्ष तौर पर न समझते हों परंतु वे इस बहकावे में ज्यादा देर नहीं अटके रहते। जैसा कि जोशी ने स्वयं कहा, यह आध्यात्मिकता है, जीवनशैली है। मगर इसमें हिंसा का कोई स्थान नहीं है। संघ प्रमुख रहे मोहन भागवत का कहना था, बल प्रयोग, उग्रवाद, आक्रामकता, अन्य देवताओं का अपमान हमारे देश की प्रकृति में नहीं है, यह अस्वीकार्य है। परंतु जब भी हिंसा की आड़ लेने की बात की जाती है, सिक्के का दूसरा पहलू भी उजागर हो जाता है। जनता को उकसाने, भड़काऊ बयानबाजी करने या धार्मिक उन्माद फैलाने को मकसदहीन नहीं ठहराया जा सकता। बीते कुछ वर्षों में जनता को बरगाले के ये फॉमरूले चूंकि काफी कारगर रहे हैं, इसलिए विवादित धार्मिक संगठन इन्हें त्यागने का इरादा नहीं जुटा पाते प्रतीत हो रहे हैं। उपद्रव या हिंसा की भूमि में अध्यात्म को कितना ही बोया जाता रहे, उसकी फसल कभी नहीं उपज सकती।

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है।

हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की। विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शास्त्रों में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

महामंडलेश्वर ममता बाई के हाथों में धर्म -ध्वजा

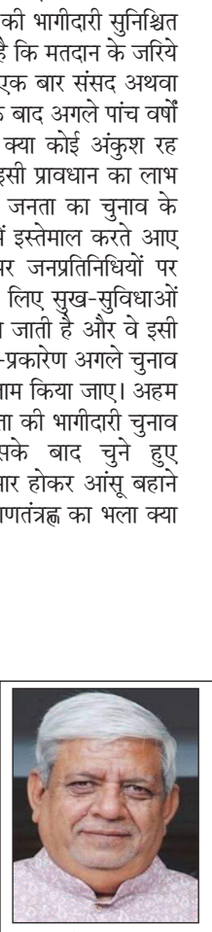

राकेश अचल

हिंदुत्व पर खतरों को लेकर हमेशा फिक्रमंद रहने वाले आरएसएस और भाजपा को अब बेफिक्र हो जाना चाहिए ,क्योंकि अब हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए खूबसूरत फिल्म अभिनेत्री सुश्री ममता कुलकर्णी ने महामंडलेश्वर बनकर धर्म ध्वजा उठा ली है। ममता के सन्यासी बनने और सीधे महामंडलेश्वर बनने से मेरी समझ में आ गया है कि हमारे सनातनी हिन्दू धर्म में सब कुछ बनना उतना जटिल नहीं है जितना दुनिया वाले समझते हैं। यहां आप जब चाहे अपना महिमा मंडन करा सकते हैं और महामंडलेश्वर की पदवी हासिल कर सकते हैं।

हिन्दू धर्म में ठेका प्रथा बहुत पुरानी है। भाजपा केपास तो हिन्दू धर्म का ठेका 1980 में जन्म के साथ आया था। महाकुम्भ में इस समय हिन्दू धर्म की रक्षा करने वाले 14 अखाड़े मौजूद हैं ,जिस्मने से सबसे नए किन्नर अखाड़े को अभी तक अखाडा परिषद ने अधिमान्यता नहीं दी है ,लेकिन इसी अखाड़े ने ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बना दिया है। हालाँकि महामंडलेशवर बनना इतना आसान काम नहीं है जितना ममता के लिए इसे कर दिया गया। महामंडलेश्वर बनने से पहले सन्यासी की को थानापति ,कोतवाल,कोठरी,भंडारी और कारोबारी बनना पड़ता है ,जो ममता को नहीं बनना पड़ा।

मेरी अल्प जानकारी के मुताबिक नागा परम्परा में साधु-संतों की मंडलियां चलाने वालों को मंडलीश्वर कहा जाता था। 108 और 1008 की उपाधि वाले संत के पास वेदपाठी विद्यार्थी होते थे। अखाड़ों के संतों का कहना है कि ऐसे महापुरुष जिन्हें वेद और गीता का अध्ययन हो, उन्हें बड़े पद के लिए नामित किया जाता था। पूर्व में शंकराचार्य अखाड़ों में अभिषेक पूजन कराते थे, वैचारिक मतभेद के बाद यह काम महामंडलेश्वर के जिम्मे हो गया। अखाड़ों ने अपने महामंडलेश्वर बनाना शुरू कर दिए।

कायदे से महामंडलेश्वर वो ही बन सकता है जो साधु संन्यास परंपरा से हो।वेद का अध्ययन, चरित्र, व्यवहार व ज्ञान अच्छा हो।

और अखाड़ा कमेटी उसके निजी निजी जीवन की पड़ताल से संतुष्ट हो।सब कुछ सामान्य होने के बाद संन्यासी का विधिवत पट्टकाभिषेक कर महामंडलेश्वर पद पर अलंकृत किया जाता है। फिर महामंडलेश्वर के बीच आपसी सहमति से आचार्य के पद पर अलंकृत किया जाता है। इसके बाद अखाड़े की सारी गतिविधियां आचार्य महामंडलेश्वर के हाथ संपन्न कराई जाती हैं।ममता के लिए ये सब शॉर्टकट से हो गया।

मुझे ममता के महामंडलेश्वर बनने से कोई आपत्ति नहीं है। मै तो चाहता हूँ कि फिल्म जगत की ही नहीं बल्कि राजनीति की तमाम हस्तियों को इसी तरीके से धर्मध्वजाएं उठाना चाहिए ,लेकिन कहने वाले कहाँ चूकते है। वे तो कहेंगे ही कि ममता जी का सन्यास ठीक वैसा ही है, जैसे कोई बिल्ली सौ-सौ चूहे खाकर हज करने चली जाये। ममता जी के ऊपर ये कहावत लागू होगी या नहीं ,मुझे नहीं पता, किन्तु मुझे इतना याद है कि ममता जी के फिल्मी कैरियर में अभिनेता ही नहीं डॉन भी आये। वे विवादों से घिरी रहीं। लेकिन पिछले दो दशक से उनकी कहीं कोई चर्चा नहीं थी। इसलिए लगता है कि उन्होंने अपने आपको सचमुच बदल लिया है।

देश में 144 साल बाद के इस महाकुम्भ का यदि सबसे बड़ा हासिल कुछ है तो वो ममता कुलकर्णी का सन्यासी बनना है। मुझे लगता है कि असंख्य नागाओं के प्रमुख जूनापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद जी भी ममता कुलकर्णी की एन्ट्री से गदगद होंगे और आने वाले दिनों में पंच तपोनिधि निरंजनी, पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी, अटल अखाड़ा, आनंद अखाड़ा, पंच अग्नि अखाड़ा, आनंद अखाड़ा, आवाहन अखाड़ा भी ममता कुलकर्णी को अपने साधु कुल में समाहित कर लेगा।

महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी बड़ी ही छुपी रुस्तम निकलीं । उन्होंने अपने सन्यास को ; सेंसर करके रखा। उनके सन्यास के बारे में जानेजिगर भी नहीं जान पाए और वे चाइना गेट से होते हुए किला पर कर क्रन्तिकारी बन गयीं। उनका जीवन युद्ध उनका नसीब हमेशा बेकाबू रहा। उन्होंने बाजी मरी और सबसे बड़ा खिलाड़ी बन गयीं। उन्होंने कोई आंदोलन नहीं किया,कोई कारण-अर्जुन उनके जीवन में नहीं आया। उनके अहंकार उनकी किस्मत ने उन्हें गैंग स्टर बना दिया। उनके वादे-इरादे बेताज बादशाह बने रहे। वे क्रांतिवीर हैं। उन्होंने अनोखा प्रेम युद्ध भी किय। सन्यास लेने से पहले उन्होंने तिरंगा भी उठाया और वे आशिक आवारा भी रहीं। उनके जीवन में अनेक भूकंप भी आये। वे वक्त हमारा है समझती रहीं ,लेकिन हमेशा रहीं अशांत ही।

मुझे अपने अनुजवत मित्र गुप्तेश्वर पण्डे की किस्मत को लेकर बड़ी चिंता होती है । वे बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक रहे । उन्हें बिहार का राबिनहुड कहा जाता रहा । वे सियासत की और उन्मुख हुए लेकिन मोहभंग होते ही साधू बन गए। पांडे जी कहने को जगद्गुरु रामानुजाचार्य आचार्य गुप्तेश्वर जी महराज , हैं लेकिन उनके जगद्गुरु बनने का वैसा हल्ला नहीं हुआ था जैसा कि ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर बनने का हुआ।

चलते-चलते आपको बता दूँ कि महामंडलेश्वर सुश्री ममता कुलकर्णी फिल्मों को छोड़ने के साथ-साथ ममता भारत छोड़ केन्या में बस गई थीं. इसके बाद ममता कुलकर्णी का नाम 2016 में ड्रग्स केस में भी सामने आया था। हालांकि, इस साल अगस्त में बॉम्बे हाई कोर्ट ने उन्हें राहत देते हुए मामले में क्लीन चिट दे दी थी। आरोपों से मुक्त हो चुकी ममता हाल ही में 24 साल बाद भारत लौटी और चुपचाप सन्यासी बन गयी। उनका गैंगस्टर विक्की गोस्वामी के साथ नाम भी जुड़ा लेकिन वे कहतीं हैं की विक्की उनके पति नहीं है। जो भी हो महामंडलेश्वर ममता जी का धर्म क्षेत्र में स्वागत कीजिये। उनसे ज्ञान लीजिये।

उत्तर प्रदेश : भारतीय आर्थिकी में महती भूमिका

डॉ. शीलवन्त सिंह

भारतीय अर्थव्यवस्था भारत के 28 राज्य 8 केंद्रशासित प्रदेशों की आर्थिक क्षमता का प्रतिनिधित्व करती है। भारतीय अर्थव्यवस्था 3-7 ट्रिलियन डॉलर का स्तर पार कर चुकी है जिसमें 15.7प्र. के योगदान के साथ महाराष्ट्र प्रथम स्थान पर है तथा 9.2प्र. के योगदान के साथ उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है। यह दशार्ता है कि उत्तर प्रदेश राज्य आर्थिक दृष्टिकोण से देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला बुलेट ट्रेन रूपी इंजन है।

उत्तर प्रदेश राज्य से देश की राजनीति का सीधा संबंध है क्योंकि लोक सभा में राज्यों में सर्वाधिक सीटें उत्तर प्रदेश की हैं परंतु 2017 से जब से प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनी है तब से देश की आर्थिक गतिविधियों के केंद्र में प्रदेश आ गया है। 2018 में यूपी इन्वेस्टर्स समिट के सफल आयोजन के साथ ही 2020 में 11वें डिफेंस एक्स्पो का सफल आयोजन राज्य में कराया गया। दिल्ली को छोड़ दिया जाए तो उत्तर प्रदेश में पहली बार किसी राज्य में डिफेंस एक्स्पो का आयोजन हुआ था। कोविड महामारी की आपदा के दौरान प्रधानमंत्री के आपदा में अवसर के मंत्र ने उत्तर प्रदेश को नई ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया। उत्तर प्रदेश सैनेटाइजर उत्पाद से लेकर सर्वाधिक कोविड वैक्सिनेशन करने वाला देश का पहला राज्य बना। 2023 में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुआ। 2024 में देश ने जी-20 सम्मेलन की अध्यक्षता की। इस अवसर का लाभ उत्तर प्रदेश राज्य ने आर्थिक-सांस्कृतिक, दोनों दृष्टि से खूब उठाया। सांस्कृतिक शहरों वाराणसी, लखनऊ, आगरा जैसे शहरों में निवेशकों को निवेश के बेहतर विकल्प मिले तो पर्यटन, खानपान, लोक कलाओं और ओडीओपी योजना में शामिल उत्पादों को उपहारस्वरूप भेंट देकर निवेशकों का मन जीता तो वहीं प्रदेश के आर्थिक हब ग्रेटर नोएडा में सम्मेलन का आयोजन कर उत्तर प्रदेश की आर्थिक क्षमता से भी निवेशकों का परिचय कराया।

22 जनवरी, 2024 की तारीख पुनः उत्तर प्रदेश को देश के केंद्र में ला खड़ा करती है, मौका था भव्य राम मन्दिर के उद्घाटन का। संपूर्ण अयोध्या नगरी का कायाकल्प हो गया। सड़कों से लेकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक, रेलवे स्टेशन से लेकर बस स्टैंड तक, सड़कों के चौड़ीकरण से लेकर, भव्य चौराहों के निर्माण तक, सीवर लाइन से लेकर बिजली की व्यवस्था तक, धार्मिक स्थलों के कायाकल्प से लेकर, रोजगार, सुरक्षा, पर्यटन और स्वच्छता के क्षेत्र में, जो नये-नये कीर्तिमान रचे गए, उसका साक्ष्य प्रदेश की 24 करोड़ जनता बनी। असंख्य श्रद्धालु आज लाखों की संख्या में अयोध्या पहुंच रहे हैं, और देश के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करा रहे हैं। आज प्रदेश अपने सु-शासन, जीरो टॉलरेंस ऑफ करप्शन तथा महिला सुरक्षा जैसे विषयों पर अपनी छवि को सकारात्मक कर चुका है, जिसका परिणाम है कि स्थल अवरुद्ध राज्य होने के बाद भी डिफेंस इंडिट्रयल कॉरिडोर परियोजना का संचालन हो या भारत की पहली फिल्म सिटी का निर्माण हो या प्रधानमंत्री मित्र योजना में शामिल 7 राज्यों में उत्तर प्रदेश का शामिल होना हो या सैमसंन कंपनी द्वारा विश्व की सबसे बड़ी मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग हब का नोएडा में स्थापित होना हो, उत्तर प्रदेश सर्वोत्तम प्रदेश के नये परसेप्शन के साथ आगे बढ़ रहा है। आज उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री के डिजिटल भारत के सपने को व्यावहारिक पटल पर स्वीकार्य बना रहा है। यूपी कृषि प्रधान तथा एमएसएमई प्रधान राज्य तो है ही वह दिन दूर नहीं जब यह सेवा प्रधान राज्य भी होगा। इसकी शुरूआत योगी सरकार द्वारा प्रदेश के 5 जिलों को 'पंच प्राण' के रूप में विकसित करने से हुई है। कानपुर को रोबोटिक्स व ड्रोन सिटी के रूप में, लखनऊ को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी के रूप में, नोएडा को सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी जनित सेवा सिटी के रूप में तथा वाराणसी, प्रयागराज को इंजीनियरिंग अनुसंधान व विकास सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है जो दशार्ता है कि वर्तमान-भविष्य में जिन सेवाओं, तकनीकों व अनुसंधानों की

जरूरत होगी उनकी तैयारी के लिए प्रदेश ने कमर कस ली है।

आज उत्तर प्रदेश की पहचान निवेश फ्रेंड्ली, टूरिज्म फ्रेंड्ली, कनेक्टिविटी फ्रेंड्ली, महिला सुरक्षा फ्रेंड्ली स्टेट के रूप में हो चुकी है जिसके चलते प्रदेश आर्थिक महाशक्ति के रूप में अपना वर्चस्व स्थापित कर रहा है, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण 2025-25 का प्रदेश सरकार का 7-36 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक बजट है जो पूर्व की सपा सरकार के बजट का दोगुना तथा भारत के सभी राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है। 2016-17 में प्रदेश की जीडीपी 12-75 लाख करोड़ रुपये की थी जो 2024-25 में बढ़कर 25 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर चुकी है। उत्तर प्रदेश ने 5 वर्षों में अपनी जीडीपी को दो गुना कर लिया है, जो प्रदेश की एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

सार समाचार

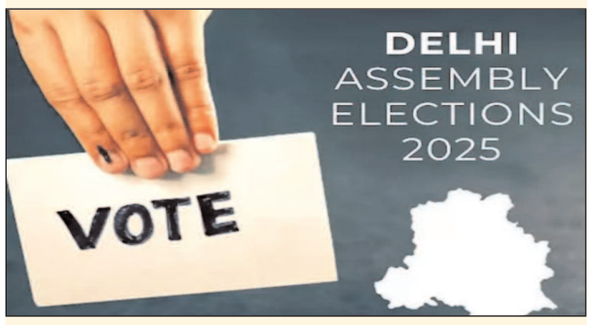

यमुना, प्रदूषण और पानी के मुद्दे पर क्या है आप का विजन? गोपाल राय ने बताया कितनी सीट जीतेंगे

नई दिल्लीः दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। जनता को लुभाने के लिए पार्टियां बड़े-बड़े वादे कर रही हैं। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार को विपक्ष प्रदूषण के मुद्दे पर घेरती रहती है। इस बीच दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय से एनबीटी ने बात की। पढ़िए उनका एक्सक्लूसिव इंटरव्यू...

सवालः दिल्ली के विकास और चुनाव के लिए आपका क्या विजन है?

जवाबः कुछ लोगों के विकास को हम पूरे देश का विकास मान लेते हैं, जबकि प्रगति तभी होगी जब सभी के विकास के लिए साधन और अवसर हों। आम आदमी पार्टी इसी फ्रेमवर्क में काम करने की कोशिश कर रही है ताकि इकनॉमी भी मजबूत हो, लोगों का विकास हो और देश भी विकसित हो। कई पार्टियों से हमें हमारे इकनॉमिक मॉडल को लेकर गालियां भी मिलती हैं मगर मजबूरी में अब उन्हें भी उस रास्ते में आना पड़ा।सवालः प्रदूषण अब भी वैसा ही है। आखिर क्या चुनौतियां हैं?

जवाबः दिल्ली में 15 अक्टूबर से 15 दिसंबर तक का प्रदूषण हमारे लिए चुनौती है। इस वक्त हवा ठहर जाती है। इस दौरान क्या कर सकते हैं, उसकी बेचैनी है। हम इसका रास्ता भी निकाल लेंगे। हमने कई काम भी किए हैं।

सवालः प्रगति के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर कैसा हो ताकि प्राकृतिक संसाधनों में भी असर ना पड़े?

जवाबः पर्यावरण का मामला दिल्ली राज्य का नहीं है, यह पूरे उत्तर भारत के 200-300 किलोमीटर के एयर शेड का मामला है। तो मैं बार-बार जोर देता हूं कि जॉइंट एक्शन प्लान की जरूरत है, कई कई बार केंद्र सरकार को इसकी जरूरत पर लिखा है। दिल्ली पहला राज्य है जहां हम दो हजार से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें लाने में कामयाब हुए। साथ ही, 16% प्राइवेट इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदी गईं। दूसरा, हम दिल्ली की 20% ग्रीन बेल्ट को 23% तक ले गए। चार साल में 2 करोड़ पेड़ लगा दिए, इस साल 60 लाख पेड़ लगाएंगे। तीसरा, दिल्ली को 24 घंटे बिजली देकर हमने जेनरेटर का धुंआ खत्म किया। हमने 36% प्रदूषण कम किया है।

सवालः जॉइंट एक्शन प्लान में क्या हो सकता है?

जवाबः जो प्रदूषण के सोर्स हैं, उन्हें कम करना। मसलन हमने ई-बसें चलाईं, ये पूरे नॉर्थ इंडिया में होना चाहिए। बीजेपी नेता कहते हैं कि केंद्र ई-बस के लिए सब्सिडी दे रही है, तो जब दिल्ली को बसें दी हैं, तो वो हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश की सरकारों को क्यों नहीं दे पा रही? आनंद विहार का एक्यूआई सबसे ज्यादा इसलिए आता है क्योंकि बस अड्डे में हजारों डीजल बसें, यहां तक कि बीएस 3, 4 वाली बसें दूसरे राज्यों से आती-जाती हैं। दूसरा, आज गुड़गांव जैसे शहरों में मल्टीस्टोरी इमारतें जनरेटर से चल रही हैं। तो जो कंट्रोल हम ग्रैप के साथ करना चाहते हैं, उसे साल भर मिलजुलकर करने की जरूरत है।सवालः ग्रैप कभी लागू हा रहा है, कभी हट जाता है। इससे लोग परेशान होते दिखे। क्या हल है?

जवाबः हां, इसे बेहतर करने की जरूरत है। हमने देखा कि लोगों तक ग्रैप की खबर ही नहीं पहुंच रही है, हमें इसे लागू करने में बहुत दिक्कत हो जाती है। मैं इस मसले को सीएक्यूएम के सामने रखूंगा, लिखित भी भेजूंगा। केंद्र सरकार मीटिंग करने के लिए ही तैयार नहीं हैं। उसने मौन साध रखा है मगर ऐसे बचने से समाधान नहीं निकलेगा।

सवालः दिल्ली को साफ पीने का पानी सप्लाई करने का क्या प्लान है?

जवाबः पानी को लेकर राजेंद्र नगर में हमारा पायलट प्रोजेक्ट सफल हुआ है। हम अब देखेंगे कि पूरी दिल्ली के लोगों को कैसे साफ पानी मिल सके। अगले पांच साल में हम फेज वाइज पूरी दिल्ली को कवर करेंगे।सवालः यमुना नदी तो पहले जैसी ही प्रदूषित है?

जवाबः सभी अनऑथराइज्ड कॉलोनियों में 90% सीवर सिस्टम को ठीक कर लिया गया। अब काम है यमुना के पानी के ट्रीटमेंट का। प्लानिंग लेवल पर हम तैयार हैं, इस पर अगले पांच साल काम भी करेंगे। और छठ के दौरान यमुना में जो झाग आता है, उसकी बड़ी वजह है कि उत्तर प्रदेश उसी समय गंग नहर की सफाई करता है और बंद कर देता है।

दिल्ली-नोएडा में बर्फीली हवाओं ने फिर बढ़ाई ठंड

नई दिल्लीः गणतंत्र दिवस पर इस बार सुबह के समय ठंड रहेगी। न्यूनतम तापमान 7 डिग्री तक रह सकता है। हालांकि परेड के दौरान कोहरा बहुत अधिक परेशान नहीं करेगा। कुछ जगहों पर हल्का कोहरा या धुंध रह सकती है। हवाएं तेज चलेंगी। इनकी गति 10 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। दर्शकों को सुबह की ठंड का सामना करना पड़ सकता है। कोहरा नहीं होने पर परेड और झांकियों का दृश्य साफ नजर आएगा।तेज हवाओं ने बढ़ाई ठंड

वहीं, शुक्रवार को तेज हवाओं की वजह से तापमान में थोड़ी गिरावट आई। न्यूनतम तापमान गिरकर 10 डिग्री से कम रहा। धूप और हवाओं का मिलाजुला रूप देखने को मिला। अधिकतम तापमान 23.7 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.4 डिग्री रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.3 डिग्री रहा। हवा में नमी का स्तर 55 से 97 प्रतिशत तक रहा।आज कैसा रहेगा मौसम?

पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार को आसमान साफ रहेगा। बारिश की संभावना नहीं है। ज्यादातर जगहों पर धुंध या हल्का कोहरा रहेगा। अधिकतम तापमान 23 और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रह सकता है। 26 जनवरी को अधिकतम तापमान 22 और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री तक रह सकता है। हवाओं की गति 10 से 14 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहेगी। हल्का कोहरा या धुंध रह सकती है। 27 से 30 जनवरी के बीच अधिकतम तापमान 23 से 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री तक रहेगा। हल्के से मध्यम कोहरा रहेगा।फिर गिरेगा पारा

स्काईमेट के अनुसार गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन के लिए मौसम की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस पहाड़ों से हट चुका है। अब बर्फ से ढंके पहाड़ों से ठंडी उत्तर पश्चिमी हवाएं मैदानी क्षेत्रों और दिल्ली में आ रही हैं। हालांकि यह ठंड इतनी तेज नहीं होगी कि बहुत अधिक परेशानी हो। न्यूनतम तापमान 7 डिग्री रह सकता है। निचले स्तरों पर हवाएं मध्यम गति से चलेंगी, जिससे कोहरा फैलने की संभावना कम हो जाएगी। कार्यक्रम के दौरान घना कोहरा छाने की संभावना नहीं है। सुबह केवल हल्का कोहरा और कुछ स्थानों पर धुंध रह सकती है।

मंत्री ने महिला कलेक्टर को सबके सामने डांटा, बोले- कॉमन सेंस भी नहीं तुममें

नई दिल्ली : तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी शुक्रवार को उस वक्त विवादों में घिर गए, जब उन्होंने करीमनगर में आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान जिले की कलेक्टर पमेला सटपथी को सबके सामने डांटते हुए उनकी 'कॉमन सेंस' पर सवाल खड़े कर दिए। यह घटना एक कैमरे में कैद हो गई और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई, जिससे पूरे राज्य में हंगामा मच गया। दरअसल, करीमनगर में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा था। इस दौरान कार्यक्रम में प्रोटोकॉल को लेकर गड़बड़ी हुई, जिससे मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी का गुस्सा भड़क गया। उन्होंने कलेक्टर पमेला सटपथी से नाराज होकर उन्हें सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई। मंत्री रेड्डी ने कहा, ह्वआप क्या कर रही हैं? आपको कॉमन सेंस भी नहीं है?ह्व

कलेक्टर का जवाब और मंत्री का गुस्सा

पमेला सटपथी ने मंत्री के गुस्से के बाद अपनी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की, लेकिन मंत्री ने उनकी बात सुने बिना ही डांटना जारी रखा। इस दौरान कलेक्टर के चेहरे पर परेशानी साफ नजर आई, जबकि मंत्री के तीखे शब्दों से कार्यक्रम में माहौल तनावपूर्ण हो गया।

सोशल मीडिया पर मचा बवाल

यह घटना अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है, और इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इस मामले को लेकर बीआरएस नेता और मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी कविता ने मंत्री की आलोचना की। कविता ने सोशल मीडिया पर इसे शर्मनाक और अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि इस तरह के व्यवहार से न केवल महिला कलेक्टर का अपमान होता है, बल्कि यह पूरे प्रशासनिक ढांचे की भी बेइज्जती है।

कविता ने कहा, "सत्ता में अहंकार और महिलाओं के प्रति दुर्भावना की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। यह व्यवहार पूरी तरह से गलत है।" इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी से मंत्री रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कविता ने यह भी कहा कि वे इस सम्मानित महिला कलेक्टर के साथ मजबूती से खड़ी हैं और मंत्री तथा कांग्रेस पार्टी से जवाबदेही की मांग करती हैं।

लोगों ने जताई नाराजगी

इस घटना पर सोशल मीडिया पर आम लोगों और राजनीतिक नेताओं ने भी कड़ी प्रतिक्रियाएं दी हैं। एक यूजर ने लिखा, "महिला अधिकारियों का इस तरह अपमान सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है।" वहीं कुछ अन्य यूजर्स ने मंत्री को उनके पद से हटाने की मांग भी की। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे व्यवहार से महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है और यह किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए।

• तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी शुक्रवार को उस वक्त विवादों में घिर गए, जब उन्होंने करीमनगर में आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान जिले की कलेक्टर पमेला सटपथी को सबके सामने डांटते हुए उनकी 'कॉमन सेंस' पर सवाल खड़े कर दिए।

केजरीवाल की सुरक्षा प्राथमिकता या सुरक्षा हटाना?

नई दिल्ली : दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पर दिल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पिछले साल 24 अक्टूबर, 30 नवंबर, इस साल 18 जनवरी और 23 जनवरी को हुए हमलों को देखते हुए कहना मुश्किल है कि आगे भी ये हमले रुकेंगे या नहीं। ऐसे में अरविन्द केजरीवाल से पंजाब पुलिस की अतिरिक्त सुरक्षा वापस लिए जाने का औचित्य सवालों में है। हमले बढ़ रहे हैं, सुरक्षा घट रही है। यह आश्चर्य की बात है!

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पर दिल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पिछले साल 24 अक्टूबर, 30 नवंबर, इस साल 18 जनवरी और 23 जनवरी को हुए हमलों को देखते हुए कहना मुश्किल है कि आगे भी ये हमले रुकेंगे

नियम यह है कि 72 घंटे तक सुरक्षा के लिए स्थानीय पुलिस को सूचित करने की आवश्यकता किसी भी राज्य की पुलिस को नहीं होती। मगर, इससे ज्यादा समय होने पर इसकी सूचना स्थानीय पुलिस प्राधिकरण को देनी होती है। पंजाब पुलिस ने अरविन्द केजरीवाल पर हमले होने की खुफिया सूचनाओं के आलोक में सुरक्षा उपलब्ध करायी थी। अच्छी प्रैक्टिस यह है कि इन सूचनाओं को केंद्रीय गृहमंत्रालय या दिल्ली पुलिस से साझा करके सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाता। मगर, ऐसा नहीं हुआ। यह स्थिति बनी क्यों?

केजरीवाल पर हमलों की चिंता क्यों नहीं?

औपचारिकताओं से ज्यादा पंजाब पुलिस ने अरविन्द केजरीवाल की सुरक्षा को महत्व दिया। इसके औचित्य पर बहस हो सकती है। मगर, जेड प्लस की सुरक्षा के बीच दिल्ली पुलिस अरविन्द केजरीवाल की सुरक्षा में सेंधमारी को रोक नहीं पा रही है, हमलावर लगातार सुरक्षा व्यवस्था को तोड़ रहे हैं और फिर भी चुनाव आयोग और दिल्ली पुलिस पंजाब पुलिस की चिंता और सतर्कता को खारिज कर रही है- इसके औचित्य पर चर्चा अधिक महत्वपूर्ण और गंभीर है।

चुनाव आयोग, केंद्रीय गृहमंत्रालय और दिल्ली पुलिस की प्राथमिकता अरविन्द केजरीवाल की सुरक्षा होनी चाहिए या पंजाब पुलिस की इस सुरक्षा की जरूरत को महसूस करते हुए अतिरिक्त सतर्कता की वैधानिकता पर सवाल प्राथमिकता होनी चाहिए? चाहे दिल्ली पुलिस हो या पंजाब पुलिस- ये सरकारों की इच्छा का पालन करती हैं। दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृहमंत्रालय के अधीन है और पंजाब पुलिस पंजाब की सरकार के मातहत। दिल्ली देश की इकलौती सरकार है जिसके पास अपनी पुलिस नहीं है। मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री तक को केंद्रीय गृहमंत्रालय के मातहत वाली दिल्ली पुलिस की सुरक्षा पर उन्हें निर्भर रहना होता है।चुनाव आयोग और दिल्ली पुलिस की मंशा पर सवाल

आम आदमी पार्टी ने चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखी है, उसमें साफ तौर पर केंद्र की सत्तारूढ़ बीजेपी और उनकी सरकार के गृहमंत्रालय के अधीन दिल्ली पुलिस की मंशा पर सवाल उठाए गये हैं। ह्वअरविन्द केजरीवाल की जान लेने का षडयंत्र करने की बात कही गयी है। इसलिए यह सामान्य मामला नहीं है। इस शक की बुनियाद पर ही पूरे मामले को देखा जाना चाहिए। यहां चुनाव आयोग की भूमिका अगर तटस्थ ना हो तो फरियाद बेदम हो जाती है। मगर, चुनाव आयोग तो स्वयं वही कदम उठा रहा है जो दिल्ली पुलिस उठा रही है! अरविन्द केजरीवाल को पंजाब पुलिस की सुरक्षा मिली हुई है तो इसकी वैधानिकता का सवाल एक ही समय में एक ही साथ दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग दोनों के मन में क्यों पैदा हुआ?

गुगल मेप ने फिर भटकाया रास्ता, नेपाल जा रहे दो फ्रांसीसी पर्यटक पहुंच गए बरेली

नई दिल्लीः दिल्ली से नेपाल की राजधानी काठमांडू साईकिल से जा रहे दो फ्रांसीसी पर्यटक गूगल मैप से रास्ता भटक कर बरेली के चुरैली डैम पर पहुंच गए। क्षेत्राधिकारी बहेड़ी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार रात दोनों विदेशी गूगल मैप से धोखा खा गए।

गूगल मैप ने उन्हें शार्टकर्ट रास्ता दिखा दिया। उन्हें पीलीभीत से टनकपुर के रास्ते नेपाल में काठमांडू जाना था लेकिन गूगल मैप ने शार्टकर्ट रास्ता यहां बहेड़ी का दिखा दिया। जिससे दोनों विदेशी भटककर चुरैली डैम पहुंच गए। दोनों फ्रांसीसी पर्यटकों को रात ज्यादा होने की वजह से उनको रात में ग्राम प्रधान के घर ठहरा दिया गया था। सकुशल नेपाल के लिए शुक्रवार को रवाना कर दिया गया। पुलिस अनुसार फ्रांससी नागरिक ब्रायन जैक्स गिलबर्ट और सेबेस्टीयन फ्रैंकॉइस ग्रेबियल बीती 7 जनवरी को फ्लाइट से फ्रांस से दिल्ली आए थे। उन्हें साईकिल से दिल्ली से पीलीभीत होकर टनकपुर से नेपाल काठमांडू जाना था। गूगल मैप से दोनों फ्रांसीसी नागरिक साईकिलों से बीती रात करीब 11 बजे के समय वह भटकते हुए थाना बहेड़ी क्षेत्र के चुरैली डैम पहुंच गए। जब ग्रामीणों ने सुनसान रास्ते पर दोनो विदेशियों को साईकिलों से घूमते देखा तो वह लोग दोनों की भाषा नही समझ सके।

26 जनवरी को कब से चलेगी दिल्ली मेट्रो? डीएमआरसी ने ट्रेन शुरू होने के समय में किया बदलाव

नई दिल्लीः 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर दिल्ली मेट्रो ने अपने ट्रेन सेवा शुरू होने के समय में बदलाव किया है। मेट्रो ट्रेन 26 जनवरी को सभी लाइन पर सुबह 3 बजे शुरू हो जाएगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की तरफ से इस संबंध में सूचना दी गई है। दिल्ली मेट्रो की तरफ से जारी रिलीज में कहा गया कि देश भर में गणतंत्र दिवस के जश्न के अवसर पर दिल्ली मेट्रो 26 जनवरी 2025 (रविवार) को सुबह 3:00 बजे सभी लाइनों पर अपनी सेवाएं शुरू करेगी।

30 मिनट के अंतराल पर ट्रेन

दिल्ली मेट्रो का कहना है कि ट्रेनों के सुबह जल्दी करने का उद्देश्य है कि लोग कर्त्तव्य पथ पर पहुंच सकें और गणतंत्र दिवस समारोह देख सकें। दिल्ली मेट्रो के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन के प्रिंसिपल एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर अनुज दयाल ने कहा कि यात्रियों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, सुबह 6:00 बजे तक 30 मिनट के अंतराल पर ट्रेनें चलेंगी। इसके बाद दिन के बाकी समय के लिए रेगुलर टाइम टेबल का पालन किया जाएगा।यात्रियों के लिए सलाह

दिल्ली मेट्रो की तरफ से यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना उसी के अनुसार बनाएं और अंतिम समय में किसी भी असुविधा से बचने के लिए सुबह की मेट्रो सेवाओं का उपयोग करें। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने कर्तव्य पथ पर होने वाले मुख्य समारोह के लिए और अन्यथा यातायात व्यवस्था को लेकर एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली पुलिस ने बताया है कि कई रास्तों पर डायवर्जन होगा। ८

दिल्ली के कल्याणपुरी में जिम ट्रेनर के मर्डर में गैंगस्टर छेनू का गुर्गा अरेस्ट, पहले से पांच मामले दर्ज

नई दिल्लीः ईस्ट दिल्ली के कल्याणपुरी में हुए जिम ट्रेनर की हत्या में गैंगस्टर इरफान उर्फ छेनू पहलवान के गुर्गे को पकड़ा गया है। आरोपी की पहचान शोएब उर्फ वॉन्टेड (22) के तौर पर हुई है। इससे एक पिस्टल और चार कारतूस भी रिकवर हुए हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपी नाबालिग रहते हुए मधु विहार इलाके में हुए दो मर्डर में शामिल था। यह छेनू गैंग का मुख्य शूटर हो गया है।12 दिसंबर को हुआ था मर्डर

डीसीपी (क्राइम) विक्रम सिंह ने बताया कि कल्याणपुरी इलाके के त्रिलोकपुरी में गोलियां बरसा कर 12 दिसंबर को जिम ट्रेनर रवि यादव का मर्डर किया गया था। लोकल पुलिस ने साजिश रचने वालों को पकड़ लिया था। मेन शूटर गीता कॉलोनी के सोनू उर्फ बंगाली और त्रिलोकपुरी के शोएब उर्फ वॉन्टेड को नहीं पकड़ा जा सका था। सोशल मीडिया अकाउंट्स, दोस्तों और परिजनों को खंगालने के बाद सोनू की लोकेशन राजस्थान के अजमेर में मिली थी। पुलिस ने इसे 2 जनवरी को दबोच लिया, लेकिन आरोपी शोएब दरगाह अजमेर शरीफ भीड़ का फायदा उठाते हुए भागने में सफल रहा।दिल्ली के साथ यूपी, हरियाणा और राजस्थान में रेड की

एसीपी रोहिताश कुमार की निगरानी में बनी इंस्पेक्टर आशीष शर्मा, एसआई प्रकाश, रंजीत सिंह, एएसआई संदीप चावला, हेड कॉन्स्टेबल मनीष और सौरव की टीम ने शोएब की तलाश शुरू की। दिल्ली, यूपी, हरियाणा और राजस्थान में रेड की। एक वट्सऐप नंबर से इसे ट्रैक कर लिया गया, जिसका ये फरारी के दौरान इस्तेमाल कर रहा था। आई एड्रेस के जरिए इसकी लोकेशन गोविंदपुरी और फरीदाबाद एरिया के बीच मिली। आखिरकार इसे 22 जनवरी को महरौली-बदरपुर रोड स्थित लाल कुआं से दबोच लिया, जब यह जेल में दोस्त रहे आकर्षण उर्फ चिंटू से मिलने गया था।बुरी संगत में पड़ कर नशेड़ी बना

शोएब ने पुलिस को बताया कि वह छोटी उम्र में मीट और सब्जी बेचने लगा था। बुरी संगत में पड़ कर शराब-गांजा पीने लगा। एक बदमाश टीटू से दोस्ती हुई, जिसके साथ मिलकर अमन का 2022 में मर्डर किया। टीटू ने इसके नाम का खुलासा किया था। गुस्सा होकर टीटू की 2023 में हत्या कर दी। टीटू गैंग ने बदले में शोएब के भाई सिराज उर्फ मट्ठी का कत्ल कर दिया।

दिल्ली में सीवर की समस्याओं का समाधान करेगा 'आप' सरकार : केजरीवाल

नई दिल्लीः दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को एक बड़ा वादा किया। उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी फिर से सत्ता में आई, तो दिल्ली में सीवर से जुड़ी सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में पिछले कुछ सालों में किए गए विकास कार्यों का भी जिक्र किया।

अनधिकृत कॉलोनियों में विकास का दावा किया

केजरीवाल ने वीडियो संदेश में बताया कि जब उनकी सरकार बनी, तब दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में किसी प्रकार का विकास कार्य नहीं हुआ था। लेकिन, 'आप' सरकार ने इन क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए काम शुरू किया। उन्होंने बताया, ह्वआज लगभग सभी अनधिकृत कॉलोनियों में सीवर पाइपलाइन और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो पहले बिल्कुल नहीं थीं।"

सीवेज की समस्या पर ध्यान केंद्रित किया

हालांकि, केजरीवाल ने यह भी माना कि दिल्ली के कुछ इलाकों में अभी भी सीवेज से पीने के पानी के दूषित होने की समस्या है। इस मुद्दे पर उन्होंने कहा, मैंने फैसला किया है कि अगर हम फिर से सत्ता में आए तो शहर में सीवर से जुड़ी समस्याओं का समाधान युद्धस्तर पर किया जाएगा। दिल्लीवासियों के लिए यह एक सकारात्मक कदम हो सकता है, क्योंकि सीवेज की समस्या लंबे समय से दिल्ली में जल प्रदूषण और सफाई की परेशानियों का कारण रही है। केजरीवाल ने यह भी बताया कि उनकी पार्टी इस मुद्दे को सुलझाने के लिए ठोस योजनाएं लेकर आएगी।

चुनाव से पहले महत्वपूर्ण वादा किए

केजरीवाल का यह बयान दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव से ठीक पहले आया है। चुनाव 5 फरवरी को होंगे और परिणाम 8 फरवरी को घोषित किए जाएंगे। ऐसे में केजरीवाल का यह वादा उनकी पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बन सकता है। अरविंद केजरीवाल ने इस वीडियो संदेश में यह भी बताया कि 'आप' पार्टी ने हमेशा दिल्ली के नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता दी है और इस बार भी सीवर की समस्या को पहले हल किया जाएगा। अगर पार्टी सत्ता में आई, तो यह एक बड़ा कदम साबित हो सकता है,

सीआईएसएफ के अधिकारी तुषार सखारे को राष्ट्रपति पुलिस पदक से किया गया सम्मानित, देशभर में छाए

नई दिल्लीः भारत के केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (उकरऋ) के एक प्रेरणास्त्रोत अधिकारी तुषार डी. सखारे को गणतंत्र दिवस 2025 के मौके पर राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनके निस्वार्थ समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और अत्यधिक उत्कृष्टता के लिए दिया गया है। श्री सखारे का करियर एक प्रेरणा है, जो न केवल सीआईएसएफ बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का कारण बना है। तुषार सखारे ने 23 सितंबर 2005 को सीआईएसएफ में अपनी यात्रा की शुरूआत की थी। उस समय से लेकर आज तक, उन्होंने अपने साहसिक नेतृत्व और रणनीतिक निर्णयों से संगठन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। उन्होंने देशभर में 12 अलग-अलग सीआईएसएफ इकाइयों में अपनी सेवाएं दी हैं और हर जगह अपने प्रशासनिक और परिचालन कौशल का लोहा मनवाया है।

कोयला माफिया पर कड़ी कार्रवाई

सीआईएसएफ यूनिट ईसीएल सीतलपुर में तैनात रहते हुए सखारे ने कोयला माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई की। उन्होंने 11,814 छापे मारे और 65,672.154 मीट्रिक टन कोयला बरामद किया, जिसकी कुल कीमत करीब 38 करोड़ रुपये थी। इस कार्य के दौरान उन्होंने 3,384 पुलिस शिकायतें दर्ज की और 416 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया। यह उनकी कुशल योजना और प्रतिबद्धता को दशार्ता है,

दिल्ली में 26 जनवरी पर परेड के चलते ट्रैफिक अलर्ट, घर से निकलने से पहले पढ़ लीजिए अडवाइजरी

नई दिल्लीः 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह पर परेड सुबह 10:30 बजे विजय चौक से शुरू होकर लाल किला के लिए आगे बढ़ेगी। सुबह 9:30 बजे राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, इंडिया गेट पर परेड के सुचारू संचालन के लिए व्यापक ट्रैफिक व्यवस्था की गई है। परेड के मार्ग की ओर जाने वाली कुछ सड़कों पर इसके चलते ट्रैफिक के आने जाने पर प्रतिबंधित भी रहेगा।यहां पर ट्रैफिक रहेगा प्रतिबंधित

25 जनवरी को शाम 5 बजे से 26 जनवरी को परेड खत्म होने तक विजय चौक से इंडिया गेट तक कर्तव्य पथ पर कोई ट्रैफिक मूवमेंट नहीं होगा।

25 जनवरी रात 10:00 बजे से रफी मार्ग, जनपथ, मान सिंह रोड पर 26 जनवरी को परेड समाप्त होने तक कर्तव्य पथ की ओर ट्रैफिक की अनुमति नहीं होगी।

सी-हेक्सागन इंडिया गेट पर 26 जनवरी को सुबह 09.15 बजे से परेड के तिलक मार्ग पार होने तक ट्रैफिक के लिए बंद रहेगा।

26 जनवरी को सुबह 10:30 बजे से तिलक मार्ग, बहादुर शाह जफर मार्ग और सुभाष मार्ग पर दोनों दिशाओं में ट्रैफिक की अनुमति नहीं होगी। परेड की आवाजाही के आधार पर केवल क्रॉस ट्रैफिक की अनुमति दी जाएगी। इसलिए ट्रैफिक पुलिस ने सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक परेड के मार्ग से बचने की सलाह दी है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के लिए

साउथ दिल्ली से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन जाने के लिए धौला कुआं, वंदेमातरम, पंचकुइयां रोड, आउटर सर्कल कनॉट प्लेस, पहाड़गंज की ओर के लिए चेम्सफोर्ड रोड या अजमेरी गेट की ओर के लिए मिंटो रोड, भव भूतिमार्ग का इस्तेमाल कर सकते हैं। ईस्ट दिल्ली से नई दिल्ली जाने के लिए कइळ ब्रिज के माध्यम से बुलेवार्ड रोड, रानी झांसी फ्लाईओवर, झंडेवालान, डी बी गुप्ता रोड, शीला सिनेमा रोड, पहाड़गंज ब्रिज होते हुए नई दिल्ली स्टेशन पहुंच सकते हैं।

पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के लिए

साउथ दिल्ली से रिंग रोड से आश्रम चौक, सराय काले खां, राजघाट, चौक यमुना बाजार, एस पी मुखर्जी मार्ग, छत्ता रेल, कोडिया ब्रिज होते हुए पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन तक पहुंचें।

हालांकि नॉर्थ दिल्ली से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन या पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले लोगों के लिए कोई प्रतिबंध नहीं होगा,

क्लिनिकल ट्रायल में 1 की मौत

बेंगलुरु । कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में क्लिनिकल ट्रायल में एक व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि नागेश वीरन्ना (33 साल) एक रिसर्च एंड डेवलपनमेंट कंपनी के क्लिनिकल ट्रायल में शामिल था। ट्रायल के दौरान दी गई दवाओं के साइड इफेक्ट की वजह से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की भाई की शिकायत पर बीएनएस की धारा 194 (3) के तहत अननेचुरल डेथ की रिपोर्ट दर्ज की है। रिसर्च कंपनी ने जांच में सहयोग करने की बात कही है।

ताहिर हुसैन की जमानत पर 28 को सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच 28 जनवरी को पूर्व पार्षद और फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन की याचिका पर सुनवाई करेगी। याचिका में राजधानी में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत की मांग की गई है। ताहिर हुसैन की याचिका पर सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष होगी। ताहिर हुसैन, आम आदमी पार्टी का पूर्व पार्षद है। फिलहाल वह एआईएमआईएम पार्टी के टिकट पर दिल्ली विधानसभा का चुनाव लड़ रहा है।

बांके बिहारी मंदिर को मिला एफसीआरए लाइसेंस

आगरा । वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत लाइसेंस दिया गया है, ताकि वह विदेशों से धन प्राप्त कर सकें। इस लाइसेंस के मिलने के बाद अब विदेशी भक्त मंदिर में खुलकर दान दे सकेंगे। मंदिर के संचालन के लिए कोर्ट द्वारा गठित प्रबंधन समिति ने इस लाइसेंस के लिए आवेदन दिया था। कोर्ट की मंजूरी के बाद इस आवेदन की प्रक्रिया पूरी की गई। मंदिर का प्रबंधन वर्तमान में न्यायालय द्वारा किया जाता है, जिसने एक प्रबंधन समिति गठित की है। सूत्रों ने बताया कि वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर को विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 के तहत लाइसेंस दिया गया है। वर्तमान प्रबंधन समिति ने एफसीआरए लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। मंदिर का प्रबंधन पहले पुजारियों के एक परिवार द्वारा किया जाता था और पहले यह निजी प्रबंधन के अधीन था। गृह मंत्रालय ने आवेदन और अदालत की मंजूरी के बाद पूरी प्रक्रिया कराई, जिसके बाद एफसीआरए के तहत विदेशी धन प्राप्त करने का लाइसेंस दिया है। सूत्रों ने बताया कि आवेदन के अनुसार, मंदिर को अपने खजाने में बहुत सारी विदेशी मुद्राएं प्राप्त हुईं और वह विदेशों से दान स्वीकार करने का भी इरादा रखते हैं। कानून के अनुसार, विदेशी योगदान प्राप्त करने वाले सभी गैर सरकारी संगठनों को एफसीआरए के तहत पंजीकृत होना पड़ता है।

942 जवानों को मिलेगा वीरता-सर्विस मेडल

-95 जवानों को वीरता पदक, 5 को मरणोपरांत सम्मान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को वीरता (गैलेंट्री) और सेवा पदक (सर्विस मेडल) के लिए 942 नामों की घोषणा की। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक पाने वाले 101 लोग हैं। सराहनीय सेवा के लिए मेडल पाने वाले 746 कर्मी हैं। कुल 95 लोगों को वीरता पदक दिया गया। इनमें 5 नाम ऐसे हैं जिन्हें मरणोपरांत सम्मानित किया गया। मरणोपरांत वीरता पदक पाने वालों में जम्मू-कश्मीर पुलिस के डिप्टी एसपी हुमायूं मुजमिल, सीमा सुरक्षा बल हेड कॉन्स्टेबल गिरजेश कुमार उद्दे, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल कॉन्स्टेबल सुनील कुमार पांडे, सशस्त्र सीमा बल हेड कॉन्स्टेबल रवि शर्मा और सिलेक्शन ग्रेड फायरमैन सतीश कुमार रैना शामिल हैं। जिन 95 गैलेंट्री अवॉर्ड्स की घोषणा की गई है, इनमें 28 नाम नक्सल-उग्रवाद प्रभावित इलाकों से हैं। 28 नाम जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से, 3 नाम नॉर्थ-ईस्ट और 36 नाम दूसरे क्षेत्रों से हैं। वीरता पदक की पुलिसकर्मियों में सबसे ज्यादा नाम उत्तर प्रदेश से हैं। जम्मू-कश्मीर से 15 नाम हैं। ये सम्मान सैन्य, पुलिस और अन्य कर्मियों को वीरता और उनके बलिदान के लिए दिए जाते हैं।

पंजाब में लगे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे

-गणतंत्र दिवस के विरोध में निकाला गया मार्च

जालंधर। पंजाब के जालंधर में शनिवार को दल खालसा ने गणतंत्र दिवस के विरोध में खालिस्तान की मांग करते हुए मार्च निकाला। दल खालसा से जुड़े लोग खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए बाबा साहिब बीआर अंबेडकर चौक (नकोदर चौक) पर पहुंचे। खालिस्तान समर्थकों ने कहा कि हमें संविधान मंजूर नहीं है, वे खालिस्तान बनाकर रहेंगे। पंजाब भारत का हिस्सा नहीं है। हमें अभी तक आजादी नहीं मिली है, हमने चंडीगढ़ भी खो दिया। मार्च के चलते पुलिस फोर्स भी तैनात रही, लेकिन उन्होंने प्रदर्शनकारियों को नहीं रोका। थाना डिवीजन नंबर-6 के एसएचओ भूषण कुमार ने कहा कि सारे मामले के बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया गया है। जैसा सीनियर अधिकारी आदेश करेंगे, उसके आधार पर मामले में कार्रवाई की जाएगी।

नगालैंड में पुलिस ने 35 करोड़ के मादक पदार्थ को किया नष्ट

दीमापुर। नगालैंड के दीमापुर और मोन जिलों में पुलिस ने दो अभियानों के दौरान 35 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ को नष्ट किया है। पुलिस ने बताया कि जिन मादक पदार्थों को नष्ट किया गया उसमें ब्राउन शुगर, हेराइन, क्रिस्टल मेथ (मेथामफेटामाइन), याबा टैबलेट कफ सिरफ की बोतलें और अफीम शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दीमापुर की जिला मादक पदार्थ निस्तारण समिति (डीडीडीसीडी) ने 34.82 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ को नष्ट किया। उन्होंने बताया कि मोन जिले में यह आंकड़ा 22.5 लाख रुपये का था। ये मादक पदार्थ चार जनवरी को बरामद किए थे जिसका भौतिक सत्यापन दीमापुर के पुलिस आयुक्त की अगुवाई वाली इस समिति ने किया था।

इसरो 29 जनवरी को करेगा 100वां प्रक्षेपण, भारत फिर रचेगा इतिहास

-जीएसएलवी-एफ15 मिशन स्वदेशी नेविगेशन उपग्रह प्रणाली को बढ़ाएगा आगे

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ 100वें प्रक्षेपण के लिए तैयार है। इस मिशन के तहत जीएसएलवी-एफ15 रॉकेट के द्वारा एनवीएस-02 उपग्रह को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 29 जनवरी को लॉन्च करेगा। यह प्रक्षेपण भारत के स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम नेवआईसी को एक और मजबूत क्षमता प्रदान करेगा।

जीएसएलवी-एफ15 मिशन की उड़ान इसरों के लिए बहुत ही अहम है, क्योंकि यह भारत के स्वदेशी नेविगेशन उपग्रह प्रणाली नेवआईसी को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य एनवीएस-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित करना है। एनवीएस-02, नेवआईसी प्रणाली का दूसरा उपग्रह है, जो सटीक स्थिति निर्धारण सेवाओं को और बेहतर बनाएगा।

यह भारत की स्वदेशी क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट प्रणाली है, जिसे विशेष रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में सटीक स्थिति, वेग और समय (पीवीटी) सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रणाली भारतीय भूभाग से करीब 1500 किलोमीटर दूर तक काम करती है। नेवआईसी में दो प्रकार की सेवाएं शामिल हैं– मानक पोजिशनिंग सेवा (एसपीएस), जो 20 मीटर तक की सटीकता देती है, और प्रतिबंधित सेवा (आरएस) जो अतिरिक्त नेविगेशन सुविधाएं देती है।

एनवीएस-02 उपग्रह दूसरी पीढ़ी का उपग्रह है और इसमें एक मानक आई-2के बस प्लेटफॉर्म है। इसका लिफ्ट-ऑफ द्रव्यमान 2,250 किलोग्राम है और इसमें करीब 3 किलोवाट की पावर हैंडलिंग क्षमता है। इस उपग्रह में एल1, एल5 और एस बैंड में नेविगेशन पेलोड, और सी-बैंड में रेंजिंग पेलोड होगा। यह उपग्रह आईआरएनएसएस-1ई की जगह 111.75 डिग्री पूर्व में तैनात किया जाएगा।

इस प्रक्षेपण में इसरो की तकनीकी विशेषज्ञता और स्वदेशी क्रायोजेनिक चरणों का उपयोग किया जाएगा। जीएसएलवी-एफ15 रॉकेट की यह उड़ान जीएसएलवी की 17वीं उड़ान है और स्वदेशी क्रायोजेनिक चरण वाली 11वीं उड़ान है, जो इसरो की तकनीकी क्षमता को और मजबूती देती है। इस मिशन में धातु के पेलोड फेयरिंग का इस्तेमाल किया जाएगा और प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से होगा। एनवीएस-02 का प्रक्षेपण इसरो की सफलता की दिशा में एक और कदम है। यह भारत के स्वदेशी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और नेविगेशन प्रणालियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके अलावा, एनवीएस-02 उपग्रह में स्वदेशी और खरीदी गई परमाणु घड़ियों का संयोजन है, जो सटीक समय निर्धारण के लिए बहुत ही अहम है।

संभल की जामा मस्जिद के बाहर नमाजियों ने हाथों में तिरंगा लेकर हिंदुस्तान जिंदाबाद के लगाए नारे

संभल । उत्तर प्रदेश के संभल में गणतंत्र दिवस से पहले जामा मस्जिद पर देशप्रेम, एकता और सौहार्द का मौहाल दिखाई दिया। इस दौरान जुमे की नमाज पढ़कर निकले नमाजियों ने हाथों में तिरंगा लेकर हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए और देशप्रेम का संदेश दिया। बता दें कि बीते 24 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद के अंदर सर्वे के दौरान मस्जिद के आसपास के इलाके में हिंसा हुई थी, जिसके बाद काफी तनाव का माहौल हो गया था। घटना के 2 महीने बाद गणतंत्र दिवस से पहले लोगों ने एकजुटता के साथ देशप्रेम का संदेश दिया है। शुक्रवार को जुमे की नमाज पढ़कर नमाजी बाहर निकले तब नजारा ही कुछ और था। मस्जिद के सामने देशभक्ति की तस्वीर देखने के लिए मिली। नमाजी हाथों में तिरंगा लहराकर देशभक्ति के रंग में रंगे दिखाई दिए और हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। तिरंगा बांटने वाले मुस्लिम भाइयों ने कहा कि हमें अपने तिरंगे पर नाज है। गणतंत्र दिवस से पहले देशभक्ति का संदेश देने के लिए आज हम लोगों ने जामा मस्जिद के बाहर तिरंगा बांटकर लोगों से अपील की है कि वे सभी लोग अपने-अपने घर और दुकानों के बाहर तिरंगा लगाकर देशभक्ति का संदेश दें।

कोटा में दो छात्रों ने की सुसाइड, प्रियंका गांधी वाड्रा का टवीट... सामूहिक आत्मनिरीक्षण का समय

कोटा (एजेंसी)। कोटा, जो कभी छात्रों के लिए सपनों का शहर होता था, आज आत्महत्या के बढ़ते मामलों के कारण भयावक शहर बनाता जा रहा है। इन घटनाओं ने शिक्षा प्रणाली और छात्रों पर बढ़ते दबाव को लेकर नई बहस छेड़ दी है। इसपर कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी

वाड्रा ने गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने इस सामूहिक आत्मनिरीक्षण का समय बताया है।

कोटा इन दिनों छात्र आत्महत्याओं के बढ़ते मामलों के कारण चर्चा में है। जनवरी 2025 में अब तक 6 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं, इसमें से पांच छात्र इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम जेईई और एक छात्रा मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम यानी एनईईटी की तैयारी की रही थी।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इन घटनाओं को अत्यंत डरावना और हृदयविदारक बताया। उन्होंने छात्रों पर बढ़ते दबाव और शिक्षा प्रणाली पर सवाल उठाकर सरकार, अभिभावकों और संस्थानों से आत्मनिरीक्षण करने और समाधान खोजने की अपील की।

उन्होंने लिखा, कोटा, में एक ही दिन में दो बच्चों के आत्महत्या का समाचार अत्यंत डरावना और हृदयविदारक है। तीन हफ्ते के अंदर 5 छात्रों ने आत्महत्या की है, ये बहुत चिंताजनक है। यह समय शिक्षा के संस्थानों, अभिभावकों और सरकारों को मिलकर सोचने और आत्मनिरीक्षण करने का है कि ऐसा क्यों हो रहा है? क्या हमारे बच्चों पर इतना दबाव पड़ रहा है कि वे झेल नहीं पा रहे हैं या समूचा वातावरण उनके अनुकूल नहीं है? राजस्थान सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाना चाहिए।

शिक्षा प्रणाली पर सवाल

प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने ट्वीट में कहा कि भजनलाल सरकार को बच्चों के मनोविज्ञान, शिक्षा प्रणाली और माहौल पर गहराई से अध्ययन करना चाहिए और सुधार की पहल करनी चाहिए।

क्या ठाकरे गुट में फिर होगी फूट, बैठक में विधायकों और सांसदों के नहीं आने पर चर्चा जोरों पर

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना-यूबीटी उद्धव ठाकरे में फिर दरार की आशंका उठने लगी है। खबर हैं कि शिवसेना-यूबीटी के कई नेता शिंदे गुट के साथ जुड़ने की तैयारी में हैं। अगर ऐसा होता हैं तब फिर ये उद्धव ठाकरे के लिए बहुत बड़ा झटका होगा। हालांकि उद्धव ठाकरे गुट का दावा है कि उनकी पार्टी का कोई भी नेता उन्हें छोड़कर नहीं जा रहा है। लेकिन ठाकरे गुट के दावे की पोल अभी हाल ही में खुल गई। दरअसल बाला साहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर हुए कार्यक्रम से कई नेताओं, विधायकों और सांसदों नदराद रहे। इसके बाद ही शिवसेना-यूबीटी को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

इस कार्यक्रम में पार्टी विधायक, दिलीप सोपल, राहुल पाटिल, बाबाजी काले के साथ-साथ सांसद संजय देशमुख, नागेश पाटिल अश्तिकार, बंधु जाधव, ओम राजे निंबालकार और संजय दीना पाटिल भी नहीं पहुंचे। इसके अलावा पूर्व विधायक राजन साल्वी और वैभव नाइक भी कार्यक्रम में नहीं थे। साल्वी को लेकर अफवाह है कि वे यूबीटी छोड़कर शिंदे गुट में शामिल होने वाले हैं। साल्वी ने भी अफवाओं का खंडन नहीं किया है। शिवसेना और भाजपा दोनों की ओर से उन्हें अपने साथ लाने की कोशिश चल रही है।

इस बीच यूबीटी नेताओं का दावा है कि इनमें से तमाम नेताओं को अन्य कार्यक्रमों में शामिल होना था। उन्होंने पार्टी को पहले ही बता दिया था कि वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हो

सकते। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने भी मामले में बयान जारी किया है। उन्होंने कहाकि जो लोग पार्टी नेताओं की अनुपस्थिति पर सवाल उठा रहे हैं, वे शिवसेना को जानते ही नहीं हैं। राउत ने कहा कि कार्यक्रम मुंबई के लिए था, इसलिए प्रदेश के अन्य नेताओं ने इसमें हिस्सा नहीं लिया।

इस बीच शिवसेना नेता और उद्योग मंत्री उदय सामंत ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आने वले दिनों में यूबीटी कैंप में बड़ी भगदड़ होने वाली है। कई बड़े नेता शिवसेना की तरफ आने वाले हैं। सामंत ने दावा किया कि चार यूबीटी विधायक और तीन सांसद जल्द ही शिवसेना से जुड़ सकते हैं। इतना ही नहीं, सामंत ने कहा है कि चार कांग्रेस विधायक भी शिंदे शिवसेना का दामन पकड़ने वाले हैं।

भारत रत्न देने की विचाराधीन सूची में मनमोहन और रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर

पटना। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न के लिए विचाराधीन सूची में पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह और उद्योगपति रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर है। इनके अलावा बिहार के सीएम नीतीश कुमार, ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक, दामोदर सावरकर, समाजसेवी ज्योतिबा फुले के नामों पर भी विचार किया जा रहा है। इस सूची में कई और नाम भी शामिल हैं। गणतंत्र दिवस के आसपास भारत रत्न के लिए चुने गए नामों की घोषणा होती है। डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद तेलंगाना सरकार ने विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर पूर्व पीएम को भारत रत्न देने की मांग की थी। पिछले साल उद्योगपति रतन टाटा के निधन के बाद अक्टूबर में महाराष्ट्र कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित कर उन्हें भारत रत्न देने की मांग केंद्र से की थी। महाराष्ट्र बीजेपी ने सावरकर, ज्योतिबा फुले को भी भारत रत्न देने का प्रस्ताव भेजा था। बीजेपी सांसद व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार और नवीन पटनायक को सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजे जाने की सिफारिश की है।

सीमा पार आतंकवाद को लेकर भारत ने पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमापार आतंकवाद के मामले को लेकर भारत पर झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगाने वाले पाकिस्तान को भारत ने जमकर खरी खोटी सुनाई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया यह भली भांति जानती है कि सीमा पार आतंकवाद की उत्पत्ति और जड़ें कहां हैं? कौन इसका जनक है? हमारे देश में आतंकी हमले की घटनाएं हुई हैं। यह कहां से हुई हैं, हम जानते हैं। इन सबके बावजूद यह कहना कि भारत मामले का राजनीतिकरण कर रहा है, पूरी तरह से अप्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि सीमापार आतंकवाद के लिए कौन सा देश जिम्मेदार है। ऐसे में भारत, पाकिस्तान से सीमापार आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आह्वान करेगा।

दरअसल, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल की यह प्रतिक्रिया बीते दिनों

पाकिस्तान के प्रचार विभाग आईएसपीआर के उस बयान को लेकर दी गई है। जिसमें आईएसपीआर ने भारतीय सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के सेनादिवस पर आयोजित वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराने के बयान का जिक्र करते हुए दावा किया कि भारतीय सेना का राजनीतिकरण किया जा रहा है। जनरल द्विवेदी ने ये भी कहा था कि पाकिस्तान आतंकवाद का एपीसेंटर है। उसके द्वारा ही आतंकी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। संसदीय और विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए सेनाप्रमुख ने कहा था कि दोनों के दौरान केंद्रशासित प्रदेश में हुए लगभग 60 फीसदी मतदान से साफ है इलाके के लोग शांति चाहते हैं और हिंसा से दूर हो रहे हैं। उत्तरी कश्मीर में डोडा और किश्तवाड़ क्षेत्र में हाल के महीनों में आतंकवादी घटनाएं बढ़ी हैं। 2024 में सुरक्षाबलों ने पाकिस्तानी मूल के 60 फीसदी आतंकवादी मार गिराए हैं। हमारा मानना है कि पाक मूल के 80 फीसदी से अधिक आतंकी हैं।

पटना में पर्यटन को बढ़ावा देने जल्द ही डबल डेकर बस दौड़ेगी

पटना (एजेंसी)। पटना में पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने शहर की सड़कों पर अब जल्द ही डबल डेकर बस दौड़ाएगा। इस बस में कुल 40 सीटें होगी। बस में 20 यात्री नीचे एवं 20 बस की छत पर बैठकर पटना की सड़कों पर भ्रमण कर सकते है। पर्यटन निगम की ओर से इसके लिए तैयारी कर ली गई है। निगम की ओर से बस का राजधानी की सड़कों पर ट्रायल भी कर लिया गया है। पर्यटकों के मद्देनजर इस बस को काफी खूबसूरत तरीके से सजाया गया है। सबसे पहले डबल डेकर बस को जेपी गंगा पथ पर दौड़ाया जाएगा। पर्यटन विकास निगम की नई योजना के अनुसार प्रथम चरण में इस बस को दीघा रोटरी से कंगन घाट तक चलाया जाएगा। यह बस दीघा रोटरी से पर्यटकों को लेकर पटना सिटी स्थित कंगनघाट तक जाएगी। फिर वहां से पर्यटकों को लेकर दीघा रोटरी तक आयेगी। पर्यटन विकास निगम ने पर्यटकों के लिए एक ट्रिप का किराया 100 रुपये तय किया है। यानी कोई पर्यटक अगर दीघा रोटरी के पास बस पर सवार होता है और कंगनघाट का भ्रमण कर वापस दीघा रोटरी तक आता है, तब उसे 100 रुपये किराया चुकाना होगा। इस बस का मुख्य उद्देश्य राजधानी में पर्यटन को बढ़ावा देना है। इस बस पर पर्यटकों को राजधानी के ऐतिहासिक स्थलों के बारे में जानकारी देने के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। बस जेपी सेतु से जैसे ही आगे बढ़ेगी, पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पर्यटकों को जानकारी दी जाएगी। साथ ही गंगा के खूबसूरत नजारा भी पर्यटकों को दिखाया जाएगा। वहां से बांस घाट काली मंदिर, गोलघर, सभ्यता द्वार, गांधी संग्रहालय, गांधी मैदान, दरभंगा हाउस काली मंदिर सहित पटना सिटी के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के बारे में पर्यटकों को जानकारी प्रदान की जाएगी। बात दें कि देशी पर्यटकों के लिए पटना की ऐतिहासिक धरती हमेशा से आकर्षण का केंद्र रही है। बीते साल पटना में राज्य के सभी पर्यटन स्थलों से अधिक पर्यटक आए। पटना में पिछले वर्ष 74.38 लाख पर्यटक आए। उसके बाद दूसरा स्थान मुजफ्फरपुर का रहा। वहां पर 48.76 लाख पर्यटक आए। तीसरा स्थान मुंगेर का रहा, वहां पर 24.63 लाख पर्यटकों ने भ्रमण किया। देशी पर्यटकों के आगमन में राजगीर का चौथा एवं बोधगया का पांचवा स्थान रहा। राजगीर में 24.52 लाख एवं बोधगया में 21.72 लाख पर्यटकों ने पिछले वर्ष भ्रमण किया।

जुआ-सट्टा भी बंद होना चाहिए ; म.प्र. में शराबबंदी पर बोले पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह

इन्दौर (एजेंसी)। भारत में शराबबंदी के कई प्रयोग हुए हैं। गुजरात और बिहार में यह लागू हुआ, लेकिन सबसे आसान होम डिलीवरी इन दोनों जगहों पर ही हो रही है। जहां तक धार्मिक स्थानों की बात है, हम इन जगहों का सम्मान करते हैं, लेकिन शराबबंदी के साथ जुआ-सट्टा भी बंद होना चाहिए।

यह बातें शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह इन्दौर प्रेस क्लब के प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में कहीं। उन्होने कहा कि वे भी 10 सालों तक मुख्यमंत्री रहे है, जब भी कोई शिकायत आती थी, तो शिकायत जिनके खिलाफ हो, उनसे जांच नहीं करवाई जाती थी। जहां भी भ्रष्टाचार का मामला आया, हमने कार्रवाई करवाई और जांच करवाई।

दिल्ली चुनाव पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ रही है। 8 तारीख को परिणाम सबके सामने आ जायेंगे। इन्दौर में भाजपा पार्षदों की लड़ाई और कांग्रेस की चुप्पी पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह भाजपा की आपसी लड़ाई है। अगर कोई निर्दोष या गरीब मारा जाता, तो कांग्रेस आवाज उठाती. भाजपा की लड़ाई कांग्रेस क्यों लड़ेगी?

यूनियन कार्बाइड के अपशिष्ट पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह लगभग 40 सालों से भोपाल में पड़ा हुआ था और इन वर्षों में कोई नया मामला सामने नहीं आया। जिन लोगों को गैस का असर हुआ था, वे ही इस केस में जुड़े रहे। इस मिट्टी का वहां क्या असर रहा? ये जांच का विषय रहा है। इसे इतना बड़ा मुद्दा क्यों बनाया गया, ये समझ से परे है। उस मिट्टी को पीथमपुर लाने की क्या जरूरत थी? उसे वहीं दबाकर खत्म किया जा सकता था। दिग्विजय ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि वह जमीन बहुत कीमती है, इसलिए उसे खाली कराने का काम शुरू हुआ।

देश के आम बजट पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि सबका यही मत है कि जीएसटी में मल्टी-स्लैब प्रणाली कभी सफल नहीं हो सकेगी। उन्होने कहा कि इसमें सिंगल स्लैब होना चाहिए या डबल, इससे ज्यादा नहीं। एक देश, एक चुनाव पर दिग्वि?जय ने कहा कि किसी भी संघीय संविधान में यह संभव नहीं, क्योंकि पांच साल के लिए सरकार चुनी जाती है। जहां बहुमत खत्म होगा, वहां मध्यावधि चुनाव की जरूरत पड़ेगी। इसे कैसे संभव करेंगे?

मतपत्र से चुनाव कराए जाने के सवाल पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि चुनाव मतपत्र से ही होना चाहिए क्योंकि हर वोटर का संवैधानिक अधिकार है कि जहां वह चाहे, वहां वोट डाले। उसकी पूरी गिनती हो और जिसे वोट डाला जाए, उसे ही मिले। ये तीन मौलिक अधिकार हैं, जो इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन में नहीं हैं। हमारी लड़ाई अदालत में जारी है।

भ्रष्टाचार के मुद्दें पर दिग्विजय सिंह ने सवाल किए कि क्या इन्दौर में भ्रष्टाचार नहीं है? नगर निगम और प्रशासन में मौजूद किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कभी कार्रवाई हुई है? क्या यहां के राजस्व रिकॉर्ड में अफरा-तफरी नहीं हुई है? सरकारी जमीन बड़े बिल्डर्स के पास पहुंच गई। क्या इसकी जानकारी किसी को नहीं? उनके खिलाफ क्या कार्रवाई हुई? उन्होने कहा कि इन्दौर अब भ्रष्टाचार की राजधानी बन चुका है। यहां भ्रष्टाचार चरम पर है और कोई सुनने वाला नहीं। भोपाल का मास्टर प्लान 1995

के बाद आया ही नहीं, क्योंकि वहां अवैध कॉलोनियों का धंधा किया जा रहा है। ज़्यादातर लोग भारतीय जनता पार्टी का नाम लेकर आगे आ जाते हैं। परिवहन मंत्रालय का उदाहरण सभी ने देखा है। सात-आठ साल की सेवा के बाद इस्तीफा देने वाले एक सिपाही के पास 54 किलो सोना और करोड़ों की नगदी पाई गई, लेकिन आज तक वो गिरफ्तार नहीं हुआ।

महाकुंभ में योगी ने भंडारे में भोजन परोसा

संतों से बोले- बांटने वाली ताकतों से सावधान रहें, यहां से सनातन धर्म की एकता का संदेश जाना चाहिए

प्रयागराज। सीएम योगी शनिवार को प्रयागराज में हैं। वह महाकुंभ में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के कैंप पहुंचे। यहां साधु-संतों की मौजूदगी में योगी ने कहा- आप बांटने वाली ताकतों से सावधान रहिए। भारत अपनी समृद्धि और पहचान पूरे विश्व में बना लेगा। कुंभ का संदेश ऐसा होना चाहिए कि हम जाति के नाम पर नहीं बंटेंगे।

क्षेत्र और भाषा के नाम पर नहीं बंटेंगे। इससे पहले योगी ने महाकुंभ के श्री कल्याण सेवा आश्रम में श्रृंगेरी शंकराचार्य भारती तीर्थ जी महाराज से मुलाकात की। उन्हें शॉल ओढ़ाया। फल की टोकरी भेंट की और आशीर्वाद लिया। यहां भंडारे में योगी ने भोजन भी परोसा। वीएचपी के कार्यक्रम में योगी ने कहा- कुंभ से पूरे देश में सनातन धर्म की एकता का संदेश जाना चाहिए। त्रिवेणी का संदेश- एकता से अखंड रहेगा यह देश। यह देश अखंड रहेगा तो सनातन धर्म भी सुरक्षित है। अयोध्या की तरह जो आपकी तमन्ना है, वह सब तो साकार होना ही है। याद रखना, ये सदी भारत की सदी है। 10 दिन में 10 करोड़ श्रद्धालु महाकुंभ पहुंचे। ये सब संतों के सानिध्य से हो रहा है। 45 दिन में 45 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। संतों से योगी ने कहा- सबका लक्ष्य सनातन धर्म के मूल्यों की रक्षा करने की होनी चाहिए। आप एकता पर ध्यान दीजिए।

भारत समृद्धि की नई ऊंचाई को प्राप्त कर लेगा। गुलामी के कालखंड में संतों ने सनातन की रक्षा के लिए काम किया। आज भी आप कर सकते हैं। योगी ने कहा- अशोक सिंघल का स्मरण याद आता है। संतों को एकजुट करने के लिए वे प्राण-प्रण से लगते थे। नेपाल हो या भूटान, किसी संत के ऊपर उंगली उठती थी तो श्रद्धेय अशोक सिंघल जी सबसे चिंतित दिखते थे। विश्व हिंदू परिषद के विराट संत सम्मेलन में उट योगी ने कहा- भारत की सनातन धर्म की परंपरा का भव्य और दिव्य रूप महाकुंभ नगर से पूरी दुनिया देख रही है। याद करिए, 1980 के बाद जब भी कुंभ और महाकुंभ का आयोजन हुआ, श्लढ और संतों ने जो संकल्प लिया, मूर्तरूप लिया। पिछले साल पूरी दुनिया ने देखा, अयोध्या में 500 वर्षों बाद राम मंदिर बना। 2016 में अयोध्या में 2 लाख 36 हजार श्रद्धालु गए थे। वहीं, 2024 में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। एक नई अयोध्या और काशी के दर्शन हो रहे हैं। भव्य और दिव्य कुंभ के दर्शन हो रहे हैं। आस्था और आधुनिकता दिखाई दे रही है। अविरल गंगा दिखाई दे रही हैं। ये सब संतों के संकल्प का ही परिणाम है।योगी ने कहा- प्राण प्रतिष्ठा के बाद जब श्रद्धालुओं के लिए मंदिर खुला तो भीड़ अनुमान से ज्यादा थी। हमें व्यवस्था देखने के लिए आना पड़ा था। तब मैंने देखा, कोई राम मंदिर का पिलर पकड़ कर, कोई जमीन पर लुढ़क कर आंसू बहाता हुआ अपने पूर्वजों का स्मरण कर रहा था।

यही दिन देखने के लिए तो हमारे पूर्वजों ने जीवन जिया था। हमें एक प्रेरणा देकर वे चले गए। याद रखना, संकल्प को साकार करने के लिए धैर्य चाहिए, उतावलापन नहीं। सनातन धर्म एक विराट वट वृक्ष है। सनातन धर्म की तुलना किसी झाड़ी से नहीं हो सकती है।योगी ने कहा- 500 वर्षों में हमारी पीढ़ी सबसे सौभाग्यशाली है कि हम अयोध्या का दिव्य रूप देख पा रहे हैं। हमारे पूर्वजों की इच्छा आज पूरी हुई है। हम सब जब अयोध्या के दर्शन करते हैं तो अपने पूर्वजों को भी स्मरण करते हैं। प्रभु राम के चरणों में जब नमन करते हैं तो सिर्फ अपनी ओर से नहीं करते हैं। उट योगी शंकराचार्य अवधेशानंद के शिविर पहुंचे। जहां उन्होंने अवधेशानंद से मुलाकात की। उन्होंने कहा- जब हम संत एक साथ मिलते हैं, तो ऐसे मिलते हैं जैसे 'गुरु भाई' मिल रहे हों। आपस में कोई भेद नहीं होता। पूर्ण विश्वास है कि महाकुंभ के संदेश को हम हर सनातन धर्मावलंबी के घर तक पहुंचाने का काम करेंगे। आयोजन से जुड़े सभी संत, महामंडलेश्वर के प्रति हृदय से आभार और अभिनंदन।

सीएम ने कहा- यह हमारा सौभाग्य है कि हम महाकुंभ के आयोजन में जुड़ रहे हैं। हमारी सेना सीमा पर सुरक्षा का काम कर रही है। सनातन धर्म एक विराट वट वृक्ष है, इसकी तुलना किसी झाड़-झंखाड़ से नहीं करनी चाहिए। सनातन धर्म पर संकट आएगा तो फिर भारत के अंदर कोई भी पंथ और संप्रदाय अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर पाएगा। वह संकट सभी के ऊपर आएगा। यह ताकत है सनातन धर्म की और यही ताकत है हमारे संतों की। यहां कोई जाति, कोई पंथ, संप्रदाय और नाम नहीं पूछता है। योगी ने कहा- हम सभी भाग्यशाली हैं कि हमें महाकुंभ का साक्षी बनने का अवसर मिला। पौष पूर्णिमा के अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के पवित्र संगम- त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। पीएम मोदी ने सही कहा है कि यह सदी भारत की है।

संक्षिप्त डायरी

'खुद को भाजपा नेता समझती है: घर में घुसकर गोली मारूंगा', फरहत नकवी को युवक ने दी धमकी

बरेली । तलाक पीड़िताओं की लड़ाई लड़ने वाली मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष फरहत नकवी को घर में घुसकर गोली मारने की धमकी दी गई। फरहत की शिकायत पर धमकी देने वाले व्यापारी के खिलाफ किला थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज आदि खंगाल रही है। आगा गेट गढ़ैया निवासी फरहत नकवी के मुताबिक किला क्षेत्र में कपड़े की दुकान लगाने वाला राशिद तीन दिन पहले उनकी गली में आया और पड़ोसी लड़कों से उनके बारे में जानकारी की। वह कहने लगा कि फरहत खुद को भाजपा नेता समझती है। वह इस्लाम से खारिज महिला है, इसलिए उसको घर में घुसकर गोली मारूंगा। राशिद ने लड़कों से कहा कि वह पहले भी जेल काट चुका है। उस पर पहले से चार मुकदमे चल रहे हैं। एकाध और मुकदमे से उस पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। फरहत ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले राशिद के बेटे ने उनकी गली में आकर लड़कों से मारपीट कर दी थी। तब उन्होंने उसे डांट दिया था। इसी वजह से राशिद बदला लेने के उद्देश्य से आया था। गनीमत रही कि उस वक्त वह घर के अंदर थीं और परिजनों ने उन्हें बाहर नहीं निकलने दिया, वरना बड़ी घटना हो सकती थी। किला थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। फरहत ने पुलिस को बताया कि उनके साथ पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। वह घर में अकेली रहती हैं। इन दिनों उनकी गली में अनजान लोगों की आवाजाही बढ़ गई है। एक युवक उनके घर की वीडियोग्राफी कर रहा था। इसलिए उन्हें डर सता रहा है कि उनके और उनकी बेटी के साथ अनहोनी हो सकती है।

नौ माह के बच्चे को मां ने छत से नीचे फेंका, मौत

बलिया। कलयुगी मां ने नौ माह के बच्चे को छत से फेंक कर हत्या कर दी। आरोप है कि बड़ी बहन को फंसाने के लिए दुधमुंहे बच्चे को छत से फेंक दिया। नानी शोभा देवी ने बेटी पर नाती की हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने मां को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया है। सदर कोतवाली के कृष्णा नगर मोहल्ले में अंजू देवी (35) पत्नी गोलू गोड़ अपने मायका कृष्णा नगर में रहती है। उसकी बड़ी बहन मनीषा देवी पत्नी सुरेश गोंड भी रहती है। दोनों बहनों में अक्सर विवाद होता है। आरोप है कि शनिवार की सुबह बहन से विवाद में अंजू ने अपने नौ माह के नवजात बच्चे को छत से फेंक दिया और बहन पर हत्या का आरोप लगाते हुए चिल्लाने लगी। घटना के समय पति गैस सिलेंडर बांटने गडवार गया हुआ था। अंजू की मां शोभा देवी ने पुलिस को फोन कर बेटी पर नौ माह के नाती की हत्या का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी मां को हिरासत में ले लिया और बच्चे को पोस्टमार्टम को भेज दिया। शोभा देवी ने तहरीर में कहा कि तीन माह पूर्व इस बच्चे के जुड़वा भाई की भी हत्या कर चुकी है। कोतवाल योगेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा की मां को हिरासत में लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है, रिपोर्ट आते ही आगे की करवाई की जाएगी। हत्यारिन मां को फांसी की सजा की मांग को लेकर कोतवाली पहुंची मोहल्लेवासी शहर के कृष्णा नगर मोहल्ले में दूध मोह बच्चेकी हत्या की खबर लगते ही मोहल्ले मेंखलबली मच गई।घटना से आक्रोशित दर्जनों महिलाएं कोतवाली पहुंचे हत्यारिन मां को फांसी की सजा की मांग की। महिलाओं ने कहा कि यह मां के नाम पर कलंक है। पूर्व में इस बच्चे के जुड़वा भाई की हत्या कर चुकी है।

मौनी अमावस्या को लेकर रोडवेज की खास तैयारी, महाकुंभ भेजी गई सभी बसें

मैनपुरी । बेवर में कुंभ मेला प्रयागराज के लिए बेवर डिपो की सभी बसों की मांग की गई है। कुल 46 बसों में एक दर्जन बसें रवाना भी हो चुकी हैं। बसों में जाने वाले कर्मचारियों को तैयार रहने का आदेश जारी किया गया है। सभी बसों के कुंभ मेला क्षेत्र में जाने से अन्य मार्गों पर जाने वाली सवारियों की किल्लत बढ़ने वाली है। कस्बे के रोडवेज डिपो में तैनात स्टेशन प्रभारी नीलम शर्मा ने बताया। 29 जनवरी मौनी अमावस्या के पूर्व कुंभ मेला प्रयागराज में सवारियों को ले जाने के लिए सभी 46 बसों को भेजने का आदेश आ चुका है। अभी तक एक दर्जन के करीब बसों को भेजा जा चुका है। बेवर डिपो के एआरएम सुभाष चंद्र की मेला क्षेत्र में बनाए गए अस्थाई डिपो में तैनाती कर दी गई है। बसों में जाने वाले स्टाफ को तैयार रहने का निर्देश अधिकारियों के द्वारा दिया जा चुका है। वहीं सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि प्रतिदिन दर्जनों बसें क्षेत्रीय सवारियों को दिल्ली और आगरा पहुंचाती हैं। उन सवारियों की समस्या का निराकरण कैसे होगा। उनके सामने समस्या खड़ी हो सकती है।

एमबीबीएस की 26 वर्षीय छात्रा स्नेहा की मौत, दो महीने बाद मिलनी थी डिग्री

मथुरा । हाईवे थाना क्षेत्र के नटवर नगर की रहने वाली स्नेहा पाठक की शुक्रवार को कानपुर स्थित एक मेडिकल कॉलेज में हार्ट अटैक से मौत हो गई। स्नेहा के दादा सीपी पाठक ने बताया कि 15 दिन पहले वह बीमार हो गए थे। इसकी जानकारी जैसे ही स्नेहा को लगी तो वह कानपुर से घर आईं। उनकी तबीयत ठीक होने के बाद ही वह यहां से चली गईं थीं। सीपी पाठक ने बताया कि स्नेहा के पिता जयप्रकाश पाठक के दो पुत्रियां हैं। पहली स्नेहा जो कि कानपुर में मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर रहीं थीं। छोटी बेटी शालू बीकॉम की पढ़ाई कर रही हैं। जयप्रकाश का मांट-राया रोड पर विद्या सागर एकेडमी नाम से स्कूल है जबकि जय प्रकाश के छोटे भाई विकास पाठक सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता हैं। उन्होंने बताया कि फोन आया था कि स्नेहा की तबीयत खराब है। जानकारी होते ही जय प्रकाश और शालू कानपुर के लिए रवाना हो गए। उनकी जयप्रकाश से बात हुई है, उन्होंने बताया कि बेटी की तबीयत खराब है, लेकिन अभी उसकी स्थिति सही है और इमरजेंसी में भर्ती है। दादा ने बताया कि वह 2011 में विद्युत निगम से जूनियर इंजीनियर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। मूलरूप से बाजना के रहने वाले हैं, जबकि पिछले 40 साल से नटवर नगर में मकान बनाकर रह रहे हैं। पड़ोसी ज्ञानी पंडित ने बताया कि स्नेहा काफी हेल्दी थीं। पढ़ने में काफी होशियार होने के कारण 26 साल की उम्र में चिकित्सक बन गईं।

मतदाता जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम अयोजित

संवाददाता

हमीरपुर। तहसील-सरीला में उपजिलाधिकारी सरीला, विपिन कुमार शिवहरे की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम अयोजित किये गए। मतदाता जागरूकता रैली से प्रारंभ करते हुए आयोजन की शुरूआत हुई। श्री शल्लेश्वर इण्टर कॉलेज सरीला से उपजिलाधिकारी सरीला द्वारा रैली को हरी झण्डी दिखा कर रैली को प्रारंभ किया गया। रैली में श्री शल्लेश्वर इण्टर कॉलेज, राजकीय इण्टर कॉलेज, राजकीय आई0टी0आई0 व अन्य विद्यालयों के छात्र/छात्राओं, अध्यापक गण, नगर के बुजुर्ग मतदाता, युवा मतदाता, बी0एल0ओ0, सुपरवाइजर व अधिकारी/कर्मचारी गण सम्मिलित हुये। रैली नगर क्षेत्र में भ्रमण करते हुये तहसील प्रांगण में उपस्थित तमाम गणमान्य, शिक्षक, विद्यार्थियों, कार्मिकों को मतदाता जागरूकता हेतु शपथ दिलाते हुए कार्यक्रम स्थल पर समाप्ति हुई। राष्ट्रीय मतदाता दिवस को पूर्ण हर्षोल्लास से मनाते हुये 80+ बुजुर्ग मतदाता को माला पहना कर, शॉल-श्रीफल भेंट करते हुये सम्मानित किया गया साथ ही 18 वर्ष पूर्ण कर चुके 06 युवा मतदाताओं को फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र वितरित करके मतदान हेतु प्रेरित किया गया। निर्वाचन कार्य व मतदाता पुनरीक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बी0एल0ओ0 श्री मनीष कुमार नलकूप चालक, श्री भरत कुमार सहायक अध्यापक, श्री अरूण कुमार स0अ0, श्री करन सिंह स0अ0, श्री जितेन्द्र स0अ0 व सुपरवाइजर पद पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्री कृष्ण कुमार तिवारी, श्री रामकृपाल व श्री रमाशंकर यादव को सम्मानित किया गया। मतदाता जागरूकता हेतु हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। जिसमें उपजिलाधिकारी विपिन कुमार शिवहरे सहित तहसीलदार अनुभव चंद्रा, नायब तहसीलदार राममोहन एवं उपस्थित अधिवक्ताओं, कार्मिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों आदि द्वारा हस्ताक्षर बनाते हुए हुए अभियान पूर्ण किया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी श्री विपिन कुमार शिवहरे, तहसीलदार श्री अनुभव चन्द्रा, नायब तहसीलदार श्री राममोहन कुशवाहा, श्री देवेन्द्र कुमार आर0के0, श्री सन्दीप लखेरा वी0आर0सी0, मीडिया बंधु, अधिवक्ता गण, सम्भ्रान्त मतदाता, युवा मतदाता व विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक गण एवं छात्र/छात्रायें उपस्थित रहें।।

एक्सीडेंट में महिला की मौत : डंपर ने मारी टक्कर

कानपुर । घाटमपुर के पतारा में तेज रफ्तार डंपर ने सड़क पार कर रही वृद्धा को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को घायल अवस्था में पतारा सीएचसी पहुंचाया,डाक्टर ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां देर शाम महिला की मौत हो गई। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पतारा कस्बा की रहने वाली मालती गुप्ता अपने बेटे राहुल की गारमेंट्स की दुकान पर खाने का टिफिन देने जा रही थीं। कानपुर-सागर हाइवे पर स्थित पतारा पुलिस चौकी मोड़ के पास सड़क पार करते समय कानपुर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल मालती को एंबुलेंस से पतारा सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां देर शाम उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घाटमपुर के इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पांडेय ने बताया कि मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जैन देवताओं की प्रतिमाओं का बरेली में भव्य स्वागत

बरेली । जैन समाज ने जयपुर से पधारी भगवान की प्रतिमाओं का भव्य स्वागत किया। पंचकल्याणक से अभिमंत्रित एक दर्जन नई प्रतिमाओं को लेकर बिहारीपुर पुलिस चौकी से भव्य रथ यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य करते हुए जयकारे लगाए। मीडिया प्रभारी सौरभ जैन ने बताया कि इन प्रतिमाओं में दो पाषाण, दो रत्न, दो चांदी और शेष जर्मन सिल्वर से निर्मित हैं। प्रतिमाओं के लिए छह फुट नौ इंच ऊंची और तीन फुट सात इंच क्षेत्रफल में तीन सुंदर वेदियां तैयार की गई हैं। उप मंत्री राजेश जैन के अनुसार, इन प्रतिमाओं में श्री आदिनाथ, चंदा प्रभु, मुनि सुव्रतनाथ, नेमीनाथ, पार्श्वनाथ, शांतिनाथ, बाहुबली, भरत स्वामी और पुष्पदंत जी की मूर्तियां शामिल हैं। मंत्री प्रकाश चंद्र जैन ने बताया कि 24 से 26 फरवरी तक वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव मनाया जाएगा, जिसमें इन प्रतिमाओं को नई वेदी में स्थापित किया जाएगा। मुनि श्री 108 समत्व सागर जी महाराज के निर्देश पर, प्रतिमाओं के आगमन के दौरान किसी भी जीव की अनजाने में हुई विराधना की शांति के लिए विशेष शांति विधान का आयोजन किया जाएगा।

मेरठ में 5 हत्याओं का आरोपी नईम बाबा मारा गया

मेरठ । पति, पत्नी और 3 बेटियों की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर हो गया। ररढ डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि आज सुबह करीब 4 बजे पुलिस ने आरोपी को घेरा तो फायरिंग करने लगा। जवाबी फायरिंग में आरोपी के सीने में गोली लग गई। पुलिस उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंची। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ लिसाड़ी गेट के पास हुई। आरोपी नईम बाबा 50 हजार का इनामी था। ररढ ने बताया- नईम दिल्ली और महाराष्ट्र में हत्या और लूट की वारदातों को अंजाम दिया था। वह अपना वेष और नाम बदलकर रह रहा था। पुलिस को इसकी तलाश थी। नईम ने 9 जनवरी को अपने सौतेले भाई के पूरे परिवार की हत्या की थी। इस हत्याकांड में उसका दूसरा साथी फरार चल रहा है। उस पर भी 50 हजार रुपए का इनाम है। जल्द ही उसे पकड़ा जाएगा। लिसाड़ी गेट इलाके के सोहेल गार्डन कालोनी में मिस्त्री मोईन अपनी पत्नी आसमा और 3 बेटियों अक्सा (8), अजीजा (4) अलईफ्सा (1) के साथ किराए के मकान में रहते थे। 9 जनवरी को परिवार के पांचों लोगों की हत्या कर दी गई थी। घर के अंदर पति-पत्नी के शव चादर में लिपटे मिले थे, जबकि उनकी तीन बेटियों की लाश को बोरी में भर कर बॉक्स में छिपाया गया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, हत्यारों ने मोईन और आसमा के सिर पर लोहे की रॉड से 10 से अधिक बार वार किए। फिर पत्थर काटने वाली मशीन से दोनों का गला काट दिया। दोनों बड़ी बेटियों के सिर पर भी रॉड से हमला किया। बच्चियों के सिर की हड्डियां तक तोड़ दी। एक साल की छोटी बेटी का गला घोंटकर मार डाला था। वारदात के बाद सूचना पर पुलिस पहुंची तो पूछताछ में नईम का नाम सामने आया। घटना के दिन आरोपी नईम अपने साले सलमान के साथ मोईन के घर ही रुका था। वारदात के बाद नईम और सलमान नंगे पांव ही सोहेल गार्डन से निकले थे। दोनों के कंधे पर झोला था। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए 8 टीमों का गठन किया था।

लिसाड़ी गेट के आसपास लगे सीसीटीवी में नईम और सलमान घूमते नजर आए थे। हत्याकांड के 2 दिन बाद यानी 11 जनवरी को पुलिस ने नईम और सलमान पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। 5 दिन पहले इनाम बढ़ाकर 50 हजार कर दिया था। दोनों की तलाश के लिए मेरठ पुलिस की टीमें लगातार राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तराखंड में दबिश दे रही थी। पुलिस इस हत्याकांड के दो आरोपी नजराना और तसलीम को पहले ही अरेस्ट कर चुकी थी।

किसान देवेन्दर ने एक एकड़ में 636 कुंतल गन्ना उपजा, कुशीनगर का बढ़ा मान

संवाददाता

कुशीनगर। राज्य गन्ना प्रतियोगिता 2024-25 के तहत हाटा विकास खण्ड के ग्राम लालीपार के किसान देवेन्दर बरनवाल के गन्ना फसल की क्राप कटिंग अधिकारियों ने की। उपज 636 कुन्तल एक एकड़ में मिला है। यह जानकारी उप्र गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने देते हुए बताया कि प्रदेश में गन्ने का औसत उपज 841 कुन्तल प्रति हेक्टेयर है। सर्वाधिक उपज शामली जिले का 1035 कुन्तल प्रति हेक्टेयर है। कुशीनगर के लालीपार के किसान देवेन्दर बरनवाल ने 1590 कुन्तल प्रति हेक्टेयर, एक एकड 636 कुन्तल उपज प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि कुशीनगर की माटी गन्ने की खेती के लिए सर्वोत्तम है।

पूर्व सहायक निदेशक श्री गुप्ता ने देश के गन्ना उत्पादक राज्यों का कृषक अध्ययन यात्रा कार्यक्रम में अध्ययन व शोध संस्थानों पर प्रशिक्षण लिया है। ओम प्रकाश गुप्ता ने 636 कुन्तल एकड़ उपज प्राप्त करने वाले किसान देवेन्दर बरनवाल तथा उनके पुत्र राजभवन बरनवाल जो विज्ञान विषय में स्नातक है से इतना

अधिक उपज लेने का तरीका, उपाय, विषय पर बातचीत की। किसान पिता - पुत्र ने बताया कि अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में गन्ना प्रजाति को० 118 की बुवाई की गई। गन्ने की लाईन से लाईन की दूरी 4 फुट, गहरी जुताई, अंतिम जुताई के समय तीन ट्राली गोबर की सड़ी खाद डाला, बुवाई के दिन नाली में 50 कि ग्राम ग्रोमर प्लस, 50 किग्रा. पोटाश दिया, बीज गन्ना का शोधन किया, दो लाईन के बीच नवम्बर में सरसो बोया मौसम ठीक न होने के कारण सरसो मात्र दो कुन्तल हुआ। छोटे ट्रेक्टर से गुड़ाई किया, जून तक दो बार यूरिया सिंचाई के बाद दिया, मिट्टि चढ़ाया, दो बार बंधाई किया, गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर द्वारा किसान गोष्ठी हाटा में भाग लिया था। वहां पर सुना था कि एक एकड़ में 400 से 500 कुन्तल उपज प्राप्त होगा, हमने प्रयास किया, उसका परिणाम मिला 636 कुन्तल उपज मिला। वैज्ञानिक ढंग से खेती करें, अधिक उपज देने वाली गन्ना प्रजाति समय से अक्टूबर मे 4 फुट पर नाली बनाकर बोये, गोबर की खाद जरूर दें, खेत को प्रति दिन देखे, ज्ञान की जरूरत है तभी उपज बढ़ेगा, किसान खुशहाल होगे। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक हाटा अशोक वर्मा व गन्ना प्रबंधक देवेश गिल ने ओम प्रकाश गुप्ता को बताया, गन्ना गिरा नही होता तो 700 कुन्तल एकड़ उपज मिला होता। न्यू इण्डिया सुगर मिल दाढ़ा के अधिशासी निदेशक करन सिंह ने बताया कि देवेन्दर बरनवाल को सम्मानित करेगी चीनी मिल। अवधेश गुप्ता प्रधान प्रबंधक गन्ना डीडी सिंह सहायक महाप्रबंधक गन्ना व गन्ना समिति हाटा के चेयरमैन बन्टी सिंह, उप गन्ना आयुक्त देवरिया परिक्षेत्र एपी सिंह ने अधिक उपज लेने लेने पर बधाई दी।

यूपी में फर्जी सर्जरी करने वाले डॉक्टर पर प्राथमिकी

खुलासे के बाद 'आयुष्मान लाइसेंस सस्पेंड मंत्री बोले: 3 दिन में मुख्यमंत्री को रिपोर्ट देंगे

पटना। UP -बिहार में बिना बीमारी मरीजों की सर्जरी करने वाले डॉक्टर अब जांच के घेरे में हैं। UP से लेकर बिहार तक जांच शुरू हो गई है। आयुष्मान भारत योजना का पैसा खाने के लिए फर्जी सर्जरी करने वाले पडरौना के डॉक्टर पुष्कर यादव के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। डॉक्टर पुष्कर के नव जीवन ज्योति हॉस्पिटल का आयुष्मान लाइसेंस सस्पेंड करते हुए योजना से हुए इलाज का पैसा रोक दिया गया है। कुशीनगर के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा है कि 3 दिनों में मामला CM योगी तक पहुंचेगा। जिसके बाद कोई बड़ी कार्रवाई हो सकती है। मंत्री ने बड़े अधिकारियों पर भी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। साल 2024 में कुशीनगर में आयुष्मान भारत योजना में फजीर्वाड़े का बड़ा खुलासा हुआ था, लेकिन छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर मामले को दबा दिया गया। इस खुलासे के बाद एक बार फिर 50 लाख से अधिक का

फजीर्वाड़ा चर्चा में है। 22 जनवरी को UPबिहार के अस्पतालों में बिना बीमारी के ही मरीजों की सर्जरी का बड़ा खुलासा किया। आयुष्मान भारत योजना का पैसा डकारने के लिए ये फजीर्वाड़ा चल रहा था। यूपी के गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, गाजीपुर, मऊ और गाजीपुर में 25 से अधिक अस्पतालों की छानबीन के बाद पडरौना के नव जीवन ज्योति हॉस्पिटल में फजीर्वाडे का बड़ा इनपुट मिला। हॉस्पिटल संचालक बनकर हमने नव जीवन ज्योति हॉस्पिटल के पुष्कर यादव से डील की तो उन्होंने आयुष्मान योजना का पैसा बंदरबांट करने के लिए फर्जी सर्जरी का ट्रेंड बताया। बिना बीमारी वाले मरीजों को यूरिन के रास्ते पथरी डालकर फिर सर्जरी कर निकालने के साथ पुष्कर यादव ने गैस वाले मरीजों को भी आयुष्मान में भर्ती कर ऑपरेशन करने की बात कही। टीम जांच के लिए नव जीवन ज्योति हॉस्पिटल पहुंच गई। जांच टीम ने 3 महीने में आयुष्मान

कार्ड से हुए इलाज का लेखाजोखा मांगा। ऐसे मरीजों की रैंडम जांच के लिए अस्पताल से लाभार्थियों की डिटेल ली गई। 4 घंटे तक चली जांच के बाद भी कोई अफसर मुंह खोलने को तैयार नहीं था, इसलिए एक एक्सपर्ट के साथ 4 सदस्यीय जांच टीम दूसरे दिन भी अस्पताल पहुंची। 22 जनवरी को ही पडरौना थाने की पुलिस भी अस्पताल पहुंची और घंटों जांच पड़ताल करती रही। मीडिया के सवाल पर आरोपी डॉक्टर पुष्कर यादव ने बताया स्टेट हेल्थ एजेंसी आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना उत्तर प्रदेश ने हॉस्पिटल को पत्र जारी किया, जिसमें 5 दिनों में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। 24 जनवरी को कुशीनगर के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह की प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंगामा हुआ।दरअसल, कॉन्फ्रेंस के दौरान लोकल तो उन्होंने मामला संज्ञान में होने और अधिकारियों की बैठक के बाद इस पर बात करने को कहा। इसी बीच तमकुही राज विधायक डॉ. असीम राय मंत्री की बातों को काटते हुए वीडियो पर सवाल खड़ा करने लगे। उन्होंने कहा कि 'पहले वीडियो की सत्यता की जांच होगी। वीडियो सही पाया गया तभी कोई कार्रवाई होगी।' वीडियो की FSL से जांच कराने और गलत होने पर पत्रकारों पर कार्रवाई की बात कहने पर मीडिया कर्मी भड़क गए और विधायक से धक्का-मुक्की हो गई। मंत्री ने कहा-3 दिनों में होगी कार्रवाई पत्रकारों ने कहा कि 'आप मामले में लीपापोती कर रहे हैं।' इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस का बहिष्कार कर दिया। मंत्री और अन्य विधायकों ने हाथ जोड़कर मामले को शांत कराया। प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह की प्रेस कॉन्फ्रेंस में हुए विवाद के थोड़ी देर बाद ही CMO ने डॉक्टर पुष्कर यादव पर केस दर्ज करवा दिया। CO सदर अभिषेक प्रताप अजेय ने मुकदमा दर्ज करने की जानकारी देते हुए कहा अब पुलिस की जांच शुरू हो गई है। CMO ने आवेदन देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

संक्षिप्त डायरी

SKMCH के मेडिकल छात्र की मौत

मुजफ्फरपुर। के सरकारी अस्पताल श्री कृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय SKMCH में द्वितीय वर्ष के ट्इइर छात्र सुरेन्द्र कुमार की अचानक मौत हो गई। मृतक की पहचान सहरसा जिले के 26 वर्षीय सुरेन्द्र कुमार के रूप में की गई है। फिलहाल ठंड लगने के बाद हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को सुरेन्द्र ने अपनी द्वितीय वर्ष की मेडिकल परीक्षा पूरी की और उसके बाद अपने कमरे में वापस लौट आया। वहां अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। उसे ठंड लगने लगी, जिसके बाद उसके दोस्तों ने रूम हीटर चालू किया और डॉक्टर से सलाह लेकर उसे दवाइयां दीं। हालांकि, उसकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ और शुक्रवार की रात उसकी तबीयत और बिगड़ गई। सुरेन्द्र के दोस्तों ने उसे SKMCH के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इलाज के दौरान सुरेन्द्र की मौत हो गई। मृतक की मौत की खबर मिलने के बाद अस्पताल प्रबंधन, जिनमें अधीक्षक प्रो. कुमारी बिभा और प्राचार्य प्रो. आभा रानी सिन्हा भी शामिल थीं। अस्पताल पहुंचे और मामले की जांच की। मृतक के परिजनों को सूचित किया गया है, परिजन मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हो गए हैं और शनिवार सुबह तक अस्पताल पहुंचने की उम्मीद जताई गई है। सुरेन्द्र की मौत से मेडिकल कॉलेज में शोक की लहर है और सभी उसके परिजनों के साथ संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

मनरेगा से गांवों में बन रहे आधुनिक पार्क मुशहरी और कुढ़नी में तैयार

पटना। मनरेगा योजना के तहत अब गांवों में शहरी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। सघन आबादी वाले गांवों में आधुनिक पार्कों का निर्माण कर ग्रामीणों को स्वस्थ जीवनशैली का विकल्प दिया जा रहा है। जिले के पांच प्रखंडों में यह परियोजना चल रही है, जिसमें मुशहरी के नरौली और कुढ़नी के तुर्की में पार्क का निर्माण पूरा हो चुका है। इन पार्कों में आधुनिक सुविधाओं का समावेश किया गया है। यहां रनिंग ट्रैक, बैठने के लिए बेंच, बच्चों के लिए झूले और युवाओं के लिए ओपन जिम की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सरकारी भूमि पर वृक्षारोपण कर इन पार्कों को विकसित किया जा रहा है, जो गांवों के सौंदर्यीकरण में भी योगदान दे रहे हैं। डीपीओ अमित कुमार के अनुसार, हालांकि पार्क निर्माण की कोई विशेष योजना नहीं थी, लेकिन सघन आबादी वाले क्षेत्रों में भूमि विकास और वृक्षारोपण के माध्यम से पार्क जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। शेष तीन प्रखंडों में चल रहे कार्य को भी शीघ्र पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को शहरी क्षेत्रों जैसी मनोरंजन और व्यायाम की सुविधाएं मिल सकेंगी।

25 हजार का इनामी बदमाश मधेपुरा से गिरफ्तार

मधेपुरा। पुलिस ने बंधन बैंक के एक कर्मचारी से हुई लूटपाट के मामले में 25 हजार के इनामी बदमाश मनोहर कुमार को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी शुक्रवार की शाम एसपी संदीप सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। एसपी ने बताया कि 3 अक्टूबर को सदर थाना क्षेत्र के तुनियाही खोपैती रोड में बांसबाड़ी के पास बंधन बैंक कर्मी सहरसा जिले के सौर बाजार थाना क्षेत्र के गढ़िया निवासी सुधांशु राज की बाइक रोककर उसके साथ मारपीट की गई थी। साथ ही उसका मोबाइल, रुपए और सोने की चकती लूट ली गई थी। घेराबंदी कर पुलिस ने पकड़ा मामले में पीड़ित के बयान पर केस दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। टीम में सदर थानाध्यक्ष विमलेंदु कुमार और तकनीकी शाखा के कर्मी शामिल थे।

महिला से रेप की कोशिश बैंक से रुपए निकालने के बहाने होटल में ले गया आरोपी

पटना। के गोपालपुर थाना क्षेत्र में एक महिला से रेप की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोपी बैंक से रुपए निकालने के बहाने महिला को मीठापुर स्थित एक होटल में ले गया। जहां उसने जबरदस्ती करने की कोशिश की। किसी तरह से वहां से भागकर महिला ने अपनी जान बचाई। पूरी वारदात होटल के सीसीटीवी में कैद हो गई है। पीड़िता ने बताया कि उसे 5,000 रुपए की जरूरत थी। गांव के ही एक व्यक्ति से मदद मांगी। आरोपी ने कहा कि मेरे साथ बैंक चलो। वहीं रुपए निकालने के बाद दूंगा। गलत नीयत से होटल ले गया। जहां जबरदस्ती की कोशिश की गई। किसी तरह होटल के कमरे से

भाग निकली। घटना 22 जनवरी की है। 2 दिन बाद केस दर्ज परिजनों का आरोप है कि 2 दिन तक पुलिस केस दर्ज करने में आनाकानी करती रही। 24 जनवरी को गोपालपुर थाने में शिकायत दर्ज की गई। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी को महिला के साथ होटल में जाते हुए देखा जा सकता है। पुलिस छानबीन कर रही है।

5 सूत्री मांग को लेकर धरने पर प्रजापति समाज

राजनीतिक भागीदारी की मांग को लेकर गांधी मैदान में धरना

गया। में प्रजापति समाज की ओर से अपने अधिकारों के लिए प्रदेश के राजनीतिक गलियारों तक अपनी आवाज पहुंचाने की कोशिश की। रविवार को गांधी मैदान के पांच नंबर गेट पर बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति ने जोरदार धरना दिया। समाज के महिला और पुरुष गांधी मैदान में जुटे और पांच सूत्री मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग जातिगत जनगणना के आधार पर प्रजापति समाज को राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने की थी। इसके अलावा माटी कला बोर्ड की स्थापना, अनुसूचित जाति-जनजाति

में शामिल करने, अति पिछड़ा न्याय उत्पीड़न कानून निवारण आयोग का गठन और पटना संग्रहालय में डॉक्टर रत्नप्पा कुम्हार की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग रखी गई। धरने के दौरान पांच सदस्यीय शिष्टमंडल ने डीएम डॉक्टर त्यागराजन से मिल कर ज्ञापन सौंपा। समिति के गया जिला सहायक सचिव सूरज देव चंद्रपाल ने कहा, हमारी मांगें केवल समाज के उत्थान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह हमारी राजनीतिक पहचान की लड़ाई है। जातिगत जनगणना के आधार पर प्रजापति समाज को राजनीतिक अधिकार दिए जाएं।
साथ ही उन्होंने समाज से अपील की वे अपने बच्चों को हर हाल में उच्च शिक्षा दें। शिक्षित समाज होगा तो कई दुश्वारियां आसानी से दूर ही जाएगी और उसके हक की हकमारी नहीं होगी। हक पाने के लिए समाज का शिक्षित अनिवार्य है। प्रजापति समाज ने एकता का परिचय देते हुए अपनी मांगों को पुरजोर तरीके से रखा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर मांगें नहीं मानी गईं, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

जनता ने वाल्मीकिनगर विधायक रिंकू सिंह को लड्डुओं से तौला

विकास कार्यों से खुश होकर लोगों ने दिखाया प्यार, बोले-क्षेत्र की बदली तस्वीर

बगहा। से वाल्मीकिनगर से जेडीयू विधायक रिंकू सिंह के क्षेत्रीय दौरे के दौरान जनता ने उनका अनोखा और अभूतपूर्व स्वागत किया। आमतौर पर जनप्रतिनिधियों को उनके दौरे के वक्त जनता की नाराजगी का सामना करना पड़ता है, लेकिन सेमरा बाजार में यह परंपरा तोड़ी गई। यहां के लोगों ने विधायक रिंकू सिंह का स्वागत लड्डुओं से किया, जो एक सकारात्मक संदेश दे रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्षों से उपेक्षित बदहाल सड़कों के निर्माण और इलाके में रेफरल अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के

साथ अन्य विकास कार्यों ने क्षेत्र की तस्वीर बदलकर रख दी है। यहां के लोग मानते हैं कि विधायक रिंकू सिंह के प्रयासों से ही यह बदलाव संभव हुआ है, और इसके कारण इलाके में न केवल सुविधाएं बढ़ी हैं बल्कि लोगों की सोच और जीवनशैली में भी सुधार आया है। विधायक का आभार जताया समाज के एक वर्ग का कहना है कि, वर्षों तक विकास की बाट जोहने के बाद, अब जब क्षेत्र में सड़कों की हालत सुधरी और स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर बढ़ा है, तो विधायक का स्वागत लड्डुओं से करके हम उनका आभार व्यक्त कर रहे हैं। यह घटना इस बात को भी दशार्ती है कि यदि किसी क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आते हैं, तो वहां के लोग अपने जनप्रतिनिधियों को ना केवल सराहते हैं, बल्कि उन्हें दिल से सम्मान भी देते हैं।
आज के समय में जब आमतौर पर जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नाराजगी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहता है,
ऐसे समय में इस तरह के सकारात्मक और अभूतपूर्व स्वागत की घटना बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा का लालू-तेजस्वी पर तंज

पटना। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने शनिवार को कहा कि आरजेडी का कल्चर लोगों को पलायन करने का मंत्र देता है। रोजगार छीनना और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना, यही इनका विजन और सोच है। जो लोग अपराध और भ्रष्टाचार को बढ़ाने का खेल खेलते हैं, वह रोजगार की बात करें तो लोगों को विश्वास नहीं होता है। उन्होंने आगे कहा कि उनका एक भी लक्षण रोजगार प्रकट करने नहीं है। किस तरह से यहां के उद्योग उनके रीजन में बंद हुए। वह पहले यह बताएं की नई उद्योग लगाने के लिए उनके पास क्या सोच और

विजन है। उन्होंने मौका तो मिला था दो-दो बार डिप्टी सीएम बने। राजद का भय आज भी निवेदकों में है डिप्टी सीएम ने बताया कि अगर वर्तमान से भविष्य बेहतर बनाना है तो ऐसे लोगों से बिहार को मुक्ति लेना होगा। बिहार की जनता संकल्प ले चुकी है कि जब तक राजद का कल्चर, राजद के स्वभाव के लोग रहेंगे, बिहार में रोजगार का अवसर नहीं बढ़ेगा।

रास्ते के विवाद में दो पक्षों में झड़प 7 घायल

दोनों पक्ष ने एक दूसरे पर लाठी-डंडे से किया हमला

रोहतास। के कोचस थाना क्षेत्र के बहोरनापुर गांव में शुक्रवार को सामुदायिक भवन के रास्ते को लेकर दो परिवारों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसमें सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित परिवार का आरोप है कि सामुदायिक भवन तक जाने के लिए 12 फीट का रास्ता छोड़ा गया था, लेकिन विपक्षी लोगों ने अंचलाधिकारी से मिलकर इस रास्ते को बंद करवा दिया। विरोध करने पर श्री राम, चंद्रमा राम, विपिन राम, लक्ष्मण राम, राधेश्याम और सुखारी राम सहित करीब दस लोगों ने उन पर हमला कर दिया। आवेदन मिलने पर होगी कार्रवाई कोचस थाना अध्यक्ष रंजीत सिंहा ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। सभी घायलों का सदर अस्पताल सासाराम में इलाज चल रहा है। हालांकि, अभी तक पीड़ित परिवार की ओर से थाने में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।
शिकायत मिलते ही कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। घटना के बाद पीड़ित परिवार दहशत में है और सरकार से सुरक्षा की मांग कर रहा है।

शादी के 1.5 महीने बाद नवविवाहिता की मौत

मां बोली- सास कहती थी चेहरे पर पेट्रोल छिड़ककर मार देंगे, सोने की चेन का था डिमांड

पटना। जिले मुफस्सिल थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात पंखे से लटका एक नव विवाहिता का शव बरामद हुआ है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतका के परिजनों ने सास पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृत महिला गोठहुला गांव निवासी रामू चौधरी की पत्नी सीमा देवी (19) है। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी नवविवाहिता के परिजनों की दी। जानकारी मिलने के बाद मृतका के परिजन ससुराल पहुंचे तो देखा कि नवविवाहिता मृत अवस्था में जमीन में पड़ी थी और सास घर से फरार थी। लोगों ने मृतक के शव को फंदे से उतारकर जमीन पर रख दिया था। घटना की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की मां ने बेटी की सास पर सोने की चेन नहीं देने पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शादी के बाद

से लगातार उसकी सास, बेटी से सोने की चेन का डिमांड करती थी। जिसको लेकर बेटी को कई बार धमकी भी दिया था कि अगर चेन नहीं मिला तो चेहरे पर पेट्रोल छिड़ककर जान मार देंगे। मृतक की मां लखपति देवी ने बताया कि बेटी की शादी 9 दिसंबर 2024 को बखोरापुर मंदिर में गोठहुला गांव निवासी उमा शंकर चौधरी के बेटे रामू चौधरी से की थी। दहेज में 3 लाख रुपए नकद समेत बर्तन और फर्नीचर का सामान दिया था। शादी के कुछ दिन बाद से ही बेटी की सास जीरा देवी सोने के चेन का डिमांड करने लगी। सास ने शादी के कुछ दिन बाद ही अपने बेटे को डांट-फटकार कर काम करने के लिए राजकोट भेज दिया था। घर में मेरी बेटी और उसकी सास रहती थी। सास अक्सर मेरी बेटी को ताना मारती थी कि तुम्हारे मां-बाप ने दिया ही किया है। अगर सोने का चेन नहीं मिला तो तुम्हें जीने नहीं दूंगी। चेहरे पर पेट्रोल छिड़ककर जान से मार दूंगी। शादी के समय अपनी बेटी को एक फोन भी दी थी लेकिन

उसकी सास ने उससे छीन लिया था। उससे बात नहीं हो पाती थी। मकर सक्रांति (14 जनवरी) को बेटी से मिलने उसके ससुराल आई थी। उसके बाद उससे कोई बातचीत नहीं हुई। शुक्रवार की रात में ग्रामीणों ने सूचना दी कि बेटी की मौत हो गई है। हमलोग भागकर बेटी के ससुराल पहुंचे तो देखा कि लोगों ने उसके शव को फंदे से उतारकर जमीन पर रख दिया है। उसके गले पर अंगूठे का निशान है। जिससे यह साफ है कि उसकी सास ने मेरी बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी है। वहीं, पूरे घर में देखा तो उसकी सास कहीं भी नहीं दिखी वो मौके से फरार हो गई थी।
इस मामले में स्थानीय थानाध्यक्ष ने बताया कि नवविवाहिता का फांसी के फंदे से लटका हुआ शव बरामद हुआ है। मृतका के परिजन सास पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं।
हर बिंदु से पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हर पहलू से जांच की जाएगी।

जानकारी

हाथ धोने के लिए पानी ठंडा हो या गर्म

जानें बैक्टीरिया मारने में कौन सबसे ज्यादा असरदार

हाथ धोने का महत्व आज ज्यादातर लोग समझ चुके हैं। जो लोग अब भी गंदे हाथों से खाना-पीना करते हैं, उनके लिए 1 से 7 दिसंबर तक हैंडवॉशिंग अवेयरनेस वीक यानी हाथ धो कर साफ रखने के लिए जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। ठंड के मौसम में इस तरह की सफाई का ख्याल रखना और जरूरी हो जाता है, क्योंकि ठंडे पानी से हर कोई दूर रहना चाहता है। कई लोग यह दलील देते हैं कि गर्म पानी से हाथ धोना फायदेमंद होता है और इससे बैक्टीरिया ज्यादा मरते हैं। लेकिन क्या यह बात सच है? ताजा वैज्ञानिक अध्ययन में इस बात का जवाब दिया गया है कि क्या गर्म पानी और ठंडे पानी से हाथ धोने में कोई फर्क है?

जर्नल ऑफ फूड प्रोटेक्शन में प्रकाशित ताजा रिसर्च के अनुसार, हाथ गर्म पानी से धोए जाएं या ठंडे से, कोई फर्क नहीं पड़ता है। खतरनाक बैक्टीरिया का सफाया करने में दोनों समान रूप से कारगर हैं। इतना जरूर है कि गर्म पानी में साबुन अच्छी तरह पिघल जाता है। इससे भी कई लोगों को लगता है कि गर्म पानी ज्यादा आसानी से बैक्टीरिया मारता है, लेकिन अब यह बात गलत साबित हुई है।

नए अध्ययन में विभिन्न पहलुओं से गर्म और ठंडे पानी के असर की जांच की गई, जैसे साबुन की मात्रा, पानी का तापमान, हाथ धोने में लगाया गया समय और साबुन कितना असरदार है।

10 सेकंड तक धोएं हाथ, पानी गर्म हो या ठंडा

अध्ययन में पाया गया कि पानी के तापमान का बैक्टीरिया को कम करने पर महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा। चाहे यह 38 डिग्री सेल्सियस या 16 डिग्री सेल्सियस था, शोधकर्ताओं ने बैक्टीरिया में कमी में कोई अंतर नहीं पाया। इसके अलावा, अध्ययन से पता चला कि कीटाणुओं को दूर करने के लिए 10 सेकंड तक हाथ धोना काफी प्रभावी होता है।

ठंड में बरतें यह सावधानी

ठंड में कई लोगों को सुखी त्वचा की समस्या से जूझना पड़ता है, खासतौर पर ऐसा हाथों में अधिक होता है। अक्सर साबुन में पाए जाने वाले रसायन हाथों की त्वचा को ड्राय बना देते हैं। ऐसे लोगों को साबुन से हाथ धोने से बचना चाहिए। जो लोग पानी के संपर्क में बहुत समय बिताते हैं, उन्हें रबर के दास्ताने पहनकर काम करना चाहिए। लंबे समय तक पानी के संपर्क में रहने से हाथ ड्राय हो सकते हैं क्योंकि यह त्वचा में मौजूद प्राकृतिक ऑयल को धो देता है।

पानी का काम नहीं कर सकता हैंड सैनिटाइजर

डॉ. दीप्शा अग्रवाल के अनुसार, हैंड सैनिटाइजर का उपयोग हाथ साफ करने के लिए किया जाता है, लेकिन साबुन से हाथ धोने से अच्छा कुछ भी नहीं है। इससे ही हमारे हाथों पर जमे कीटाणु 100 फीसदी तक खत्म हो सकते हैं। इसलिए हैंड सैनिटाइजर का उपयोग वहीं करना चाहिए, वहां पानी से हाथ धोने की सुविधा नहीं है। हैंड सैनिटाइजर खरीदते समय ध्यान रखें कि कहीं उसमें ट्राइक्लोसेन या थाइलेड्स कैमिकल तो नहीं हैं। ये दोनों कैमिकल हानिकारक होते हैं। खासतौर पर थाइलेड्स त्वचा के जरिए ब्लड में जा सकता है और बहुत नुकसान पहुंचा सकता है।

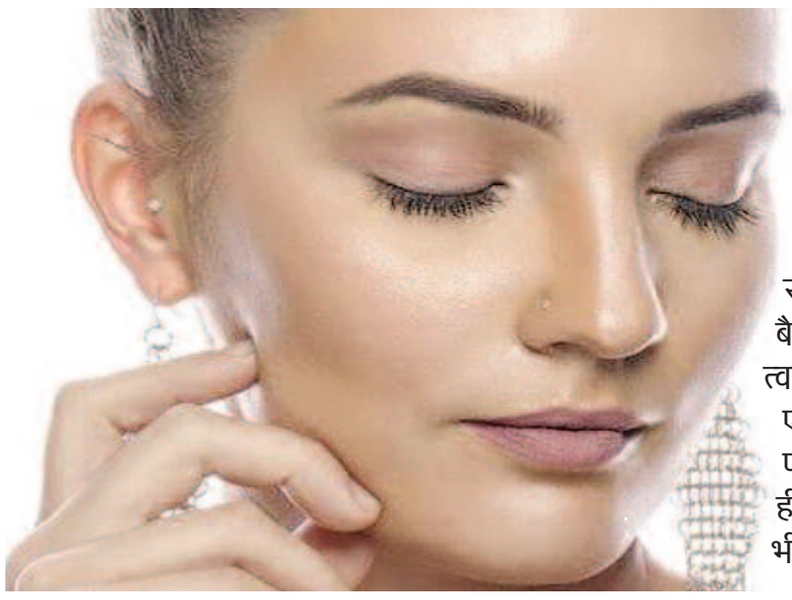

ड्राई स्किन या सूखी त्वचा असल में बड़ी समस्या नहीं है, लेकिन ध्यान न दिए जाने पर यह एक्जिमा (लाल चकत्ते) या घावों से खून के रिसाव की वजह बनती हैं। एक अन्य संभावित परेशानी सेकंडरी बैक्टीरियल इन्फेक्शन (लाल त्वचा, सूजन, पस) होता है जिसमें एंटीबायोटिक्स लेने की जरूरत पड़ जाती है। बहुत कम मामलों में ही सही, सूखी त्वचा का एलर्जी से भी संबंध पाया जाता है।

सर्दियों में ड्राई स्किन से हैं परेशान

आजमाएं ये घरेलू नुस्खे झट से मिलेगा आराम

त्वचा में नमी रखें

त्वचा को सूखने से बचाने का सबसे आसान उपाय उसे नम रखना है। स्किन मॉइस्चराइजर इस काम में आपकी बहुत ज्यादा मदद कर सकते हैं। खास बात यह है कि मॉइस्चराइजर जितना ज्यादा गाढ़ा और चिकना होगा, उतना ही ज्यादा प्रभावी होगा। इसमें तीन तरह की मुख्य वस्तुएं होती हैं-

1- ह्यूमेक्टेंट्स जो नमी को आकर्षित करते हैं और इसमें सेरेमाइड्स, ग्लिसरीन, सॉर्बिटॉल, हायएल्यूरोनिक एसिड और लेसिथिन होते हैं।

2- दूसरा समूह होता है पेट्रोलेटम (पेट्रोलियम जेली), सिलिकॉन, लेनोलिन और मिनरल ऑइल का। यह नमी को त्वचा में ही कायम रखने में मदद करते हैं।

3- लिनोलेइक, लिनोलेनिक और लॉरिक एसिड्स जैसे एमोलिएंट्स। यह त्वचा के सेल्स के बीच की जगहों को भरकर उसे मुलायम बनाए रखते हैं।

कुल मिलाकर सबसे प्रभावी (और सबसे किफायती) की श्रेणी में पेट्रोलियम जैली और मॉइस्चराइजिंग ऑइल (जैसे मिनरल ऑइल) को रखा जा सकता है। दरअसल, इनमें पानी का अंश नहीं होता और नहाने के बाद त्वचा को नम रखने में यह सहायक होते हैं। कम चिकने मॉइस्चराइजर ज्यादा आकर्षक मगर कम प्रभावी होते हैं।

सूखी त्वचा से कैसे बचें?

- गर्म पानी से नहाने या शॉवर करने की अवधि को 5 से 10 मिनट तक ही सीमित कर दें। जितना ज्यादा नहाएंगे त्वचा की तैलीय परत कम होती जाएगी।
- नहाने के लिए बहुत गर्म पानी की बजाय कुनकुना (गुनगुना) पानी इस्तेमाल करें।
- साबुन का इस्तेमाल कम से कम करें।
- सेटाफिल, ऑइलटम-एडी, एक्वेनिल जैसे सोप-फ्री क्लीन्सर्स का इस्तेमाल करें।
- खुशबूदार साबुन, अल्कोहल से दूरी बनाएं।
- बाथ स्पंज, स्क्रब ब्रश और कपड़े धोने को टालें।
- नहाने के बाद शरीर को सूखाने के दौरान टॉवेल को जोर से न रगड़ें।
- नहाने या हाथ धोने के तत्काल बाद मॉइस्चराइजर लगाएं।
- पेट्रोलियम जैली और गाढ़े क्रीम्स का चिपचिपापन टालने के लिए पहले उसे कुछ देर हाथ में मलें फिर शरीर के प्रभावित हिस्से पर लगाएं।
- त्वचा पर कभी न खुजाएं। मॉइस्चराइजर लगाने पर वैसे इसकी जरूरत ही नहीं पड़ेगी।
- खुजली वाले हिस्से पर कोल्ड पैक से भी राहत मिल सकती है।
- खुजली पैदा करने वाले वूलन स्वेटर, जैकेट सीधे शरीर पर न पहनें। पहले कॉटन का कपड़ा पहनें, उसके ऊपर ऊनी कपड़े पहनें।

कब मिलें डॉक्टर से

मौसम में बदलाव या उम्र बढ़ना आपकी त्वचा के सूखने की वजह न हो तो डॉक्टर से मिलना ही बेहतर विकल्प होगा। हो सकता है त्वचा का कोई और रोग हो। घरेलू उपचार या बाजार से लाए गए मॉइश्चराइजर त्वचा के सूखने की समस्या को और अधिक ना बढ़ा दें।

सेहत

आपकी त्वचा को कैसे प्रभावित करती है डायबिटीज

इसके लक्षण और बचाव

वर्तमान समय में डायबिटीज एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, आज इससे पूरी दुनिया प्रभावित है। डायबिटीज को शुरुआती निदान और उपचार के माध्यम से समय पर बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। चूंकि अनियंत्रित रक्त शर्करा का स्तर कई गंभीर जटिलताओं से जुड़ा होता है, इसलिए समय पर बीमारी को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। डायबिटीज के शुरुआती चरण में आपको बार-बार पेशाब आना, भूख बढ़ जाना, धुंधली दृष्टि, थकान, प्यास बढ़ जाना, हाथ-पैरों में झुनझुनी, यीस्ट संक्रमण और घावों का धीमी गति में सही होना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। डायबिटीज के लक्षण त्वचा पर भी दिखाई देते हैं। अनियंत्रित रक्त शर्करा का स्तर भी रोगी की त्वचा को प्रभावित करता है। यहां हम आपको त्वचा पर दिखने वाले डायबिटीज के कुछ सामान्य लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

त्वचा पर दिखने वाले डायबिटीज के लक्षण क्या हैं

शुरुआती चरण के दौरान एक डायबिटीज रोगी की त्वचा पर पैच दिखाई दे सकते हैं। डार्क स्किन के ये पैच गर्दन या बगल (कांख) पर दिखाई दे सकते हैं। यह पैच सॉफ्ट हो सकता है। कुछ मामलों में व्यक्ति को रूखी त्वचा का अनुभव हो सकता है।

डायबिटीज और त्वचा संबंधी समस्याओं के बीच क्या संबंध है?

अनियंत्रित ब्लड शुगर लेवल मुख्य रूप से त्वचा संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। विशेषज्ञों की मानें तो मधुमेह और त्वचा के संबंधी समस्याओं के बीच एक गहरा संबंध है, जिसे नकारा नहीं जा सकता है। त्वचा संबंधी ऐसी कई समस्याएं हैं जो मधुमेह के कारण हो सकती हैं। हालांकि, इन त्वचा संबंधी समस्याओं को डायबिटीज को नियंत्रित कर रोका जा सकता है। डायबेटिक डर्मोपैथी एक शब्द है जिसका उपयोग विशेष रूप से पैरों के सामने की त्वचा पर छोटे, भूरे धब्बों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। रोगी आमतौर पर इन त्वचा के धब्बों के कारण कोई लक्षण विकसित नहीं करते हैं और ये डायबिटीज के ज्यादातर रोगियों में होते हैं। यह लंबे समय से डायबिटीज वाले पुराने रोगियों में अधिक आम है। त्वचा में ये बदलाव डायबिटीज के कारण त्वचा में रक्त परिसंचरण में कमी के कारण होते हैं।

उपचार के क्या विकल्प हैं

हालांकि, अपने आप में इस स्थिति को किसी विशिष्ट उपचार की आवश्यकता नहीं है, यह अच्छी तरह से डायबिटीज की अधिक गंभीर जटिलताओं की उपस्थिति का संकेत दे सकता है जैसे रेटिनोपैथी (आंख को नुकसान), नेफ्रोपैथी (गुर्दे की क्षति) और न्यूरोपैथी (तंत्रिका क्षति)। कॉस्मेटिक छलावरण शायद आवश्यकता होने पर त्वचा के धब्बों की उपस्थिति को छिपाने के लिए उपयोग किया जाता है। डायबिटीज रोगियों में इस तरह के धब्बों का पता चलने पर तुरंत अपने ब्लड शुगर की जांच कराने की आवश्यकता है। डायबिटीज डर्मोपैथी के रोगियों में डायबिटीज का नियंत्रण अन्य जटिलताओं के जोखिम को कम कर सकता है।

अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं

- डायबिटीज के मरीजों में बुलोसिस डायबिटिकोरम भी एक समस्या है, जहां त्वचा में फफोले विकसित होते हैं।

- टाइप 1 डायबिटीज वाले कई मरीज त्वचा की कठोरता का विकास करते हैं जिसे डायबिटिक चीयरोएथ्रोपैथी के नाम से जाना जाता है।

- नेक्रोबायोसिस लिपोइडिका एक ऐसी स्थिति है जिसमें पैरों के सामने की त्वचा में पीले, मोमी धब्बे दिखाई देते हैं।

- डायबिटीज रोगी, खासकर मोटापे के कारण, त्वचा की सिलवटों का कालापन और गाढ़ा हो जाना, इंसुलिन प्रतिरोध के कारण हो सकता है। इस स्थिति को एसेंथोसिस निग्रिकंस कहा जाता है। इनके अलावा, डायबिटीज के रोगियों को विशेष रूप से प्राइवेट पार्ट के आसपास फंगल इंफेक्शन विकसित होने का खतरा होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3423

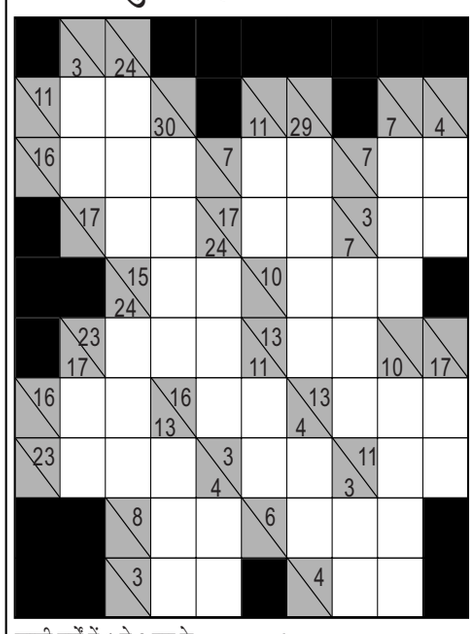

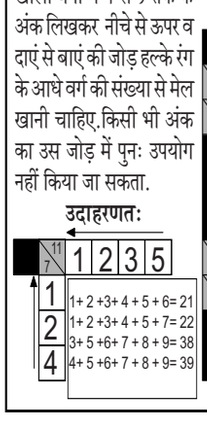

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं हो सकता.

उदाहरण:

काकुरो - 3422 का हल

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

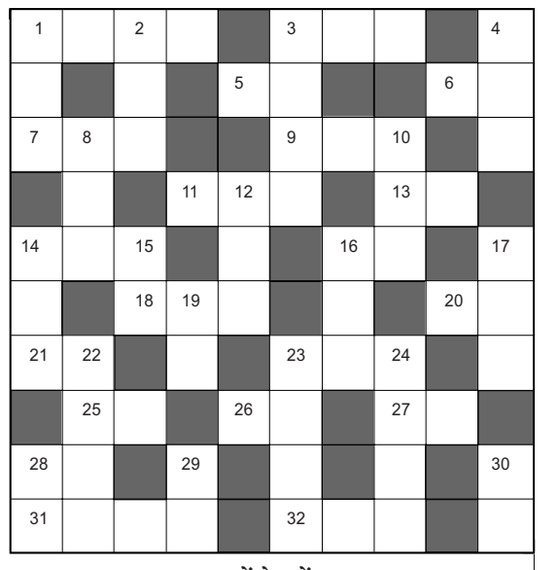

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3423

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी ?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम ?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3422

सूडोकु -3423

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

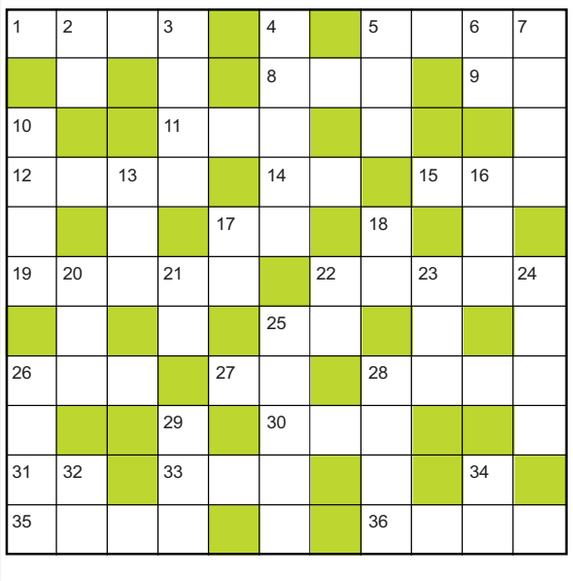

सूडोकु -3422 का हल

शब्द पहेली - 3423

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -3422 का हल

वैलेंटाइन डे पर फिर से रिलीज होगी ऑरेंज

पैन इंडिया स्टार राम चरण इन दिनों अपनी फिल्म गेम चेंजर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। साल 2010 में रिलीज हुई राम की फिल्म ऑरेंज को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है।

ग्लोबल स्टार राम चरण ने कथित तौर पर कई मौकों पर बताया है कि ऑरेंज उनकी पसंदीदा फिल्मों में से एक है। भले ही यह व्यावसायिक रूप से असफल रही हो। 2010 की रोमांटिक ड्रामा ऑरेंज को इस वैलेंटाइन डे पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए सिनेमाघरों में वापस लौट रही है। ऑरेंज 2010 की भारतीय तेलुगु भाषा की एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसे भास्कर ने लिखा और निर्देशित और के. नागा बाबू द्वारा निर्मित है। फिल्म में राम चरण तेजा , जेनेलिया और शाजान पद्मसी ने अहम भूमिका निभाई है जबकि प्रभु और प्रकाश राज सहायक भूमिकाओं में नजर आए। फिल्म, जिसका संगीत हैरिस जयराज ने तैयार किया था और 26 नवंबर 2010 को रिलीज हुई थी। यह फिल्म रिलीज होने पर बॉक्स ऑफिस पर असफल रही, लेकिन समय के साथ एक कल्ट फिल्म बन गई। इसे 2011 में तमिल में राम चरण के रूप में और इसका मलयालम डब संस्करण है, जो 18 अप्रैल 2012 को रिलीज किया गया।

गेम चेंजर हुई फ्लॉप

राम चरण की गेम चेंजर भी बॉक्स ऑफिस पर फेल होती नजर आ रही है। फिल्म ने पहले दिन 51 करोड़ रुपये के कलेक्शन से शुरुआत की, लेकिन इसके बाद फिल्म की कमाई लगातार घटती गई। पहले हफ्ते फिल्म ने कुल 117 करोड़ 65 लाख रुपये। फिल्म ने 12वें दिन महज 9 लाख रुपये का कलेक्शन किया और बुधवार को 13वें दिन फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सिर्फ 8 लाख रुपये में सिमट कर रह गया। वहीं आज की बात करें तो 14वें दिन फिल्म ने अभी तक 19 लाख रुपये की कमाई की है, जो पूरे दिन के हिसाब से बदल सकता है। कुल मिलाकर गेम चेंजर की अभी तक कमाई 128 करोड़ 29 लाख रुपये हो गई है।

सामंथा ने बताया इस ट्रिक को फॉलो कर बुरे वक्त से निकलीं

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी कुछ टिप्स शेयर की हैं, जिन्होंने उन्हें जीवन की परेशानियों से निपटने में मदद की। सामंथा अपने तलाक और फिर बीमारी को लेकर काफी चर्चा में रही हैं। हाल ही में सामंथा को सिटाडेल हनी बनी में देखा गया।

इस टिप को करती हैं फॉलो

सामंथा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इसमें उन्होंने बताया कि पिछले दो साल से एक छोटा सा रिचुअल या ट्रिक जरूर फॉलो करती हैं, जिसने उन्हें कुछ सबसे मुश्किल पलों से बाहर निकाला है।

दी फैंस को सलाह

सामंथा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि अगर आपको लिखना आता है और आपको लिखना पसंद है, तो हमेशा उन तीन चीजों के बारे में लिखें, जिसने आपको उस दिन खास बने रहने में मदद की। बस आपको ईमानदारी से काम करना चाहिए।

खुद को कहें धन्यवाद

अपने मन की बातें अपने दोस्त से कहें जो आपको सुनता है। कभी-कभी, अपने दिल में एक शांत धन्यवाद के साथ बैठना भी पर्याप्त होता है। यह छोटा सा अभ्यास आपको बेहतर महसूस करवाने में मदद करेगे। इसे आजमा के देखें, चीजें जरूर बदलेंगी सामंथा ने अपने फैंस से फीडबैक भी मांगा। उन्होंने कहा कि ऐसा करके देखें और मुझे बताएं कि आपको कैसा महसूस हुआ। साथ ही आज आप किस बात को सोच कर आभारी महसूस कर सकते हैं।

सिटाडेल में नजर आईं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु पिछले साल सिटाडेल हनी बनी में नजर आईं। अभिनेत्री ने अपनी फिल्म को लेकर खूब सुर्खियां बटोरीं। वहीं, सामंथा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी बहुत चर्चा में रहीं। सामंथा की बीमारी को लेकर भी उनके सह कलाकार वरुण धवन ने बात की।

बिना शादी के अकेले जिंदगी बिताना चाहती हैं शिल्पा शिंदे

बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया वो शादी नहीं करना चाहती और पूरी जिंदगी अकेले बिताना पसंद करेंगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई सही इंसान मिला, तो जरूर शादी कर लेंगी। एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने टेली टॉक को दिए इंटरव्यू के दौरान अपने मैरिज प्लान को लेकर बातचीत की है। एक्ट्रेस ने कहा- मैंने अपने आप को कभी ब्लॉक नहीं किया कि मुझे अकेला ही रहना है। मैंने ये भी नहीं सोचा कि मुझे किसी से शादी ही करनी है। अगर मुझे लगता है कि कोई सही इंसान मिला, तो मैं जरूर शादी कर लूंगी। शिल्पा शिंदे ने आगे बताया- मैं उस तरह की लड़की नहीं हूं जो लिविंग रिलेशनशिप में रहने के बाद भी उसे रिलेशनशिप का नाम ना दे। अगर ऐसा कोई रिश्ता है तो उसे एक नाम देना चाहिए, लेकिन यह नहीं मानती कि शादी सबकुछ है। आज कल लोग शादी का मतलब ही नहीं समझते। पति-पत्नी के बीच काम्पिटिशन शुरू हो गया है। बता दें कि शिल्पा शिंदे की टीवी एक्टर रोमित राज संग सगाई हुई थी, हालांकि कुछ समय बाद दोनों ने अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए। शिल्पा और रोमित राज की मुलाकात सीरियल मायका (2007-2009) के दौरान हुई थी। रोमित उम्र में शिल्पा से तीन साल छोटे थे। दोनों में प्यार हुआ और फिर 2009 में दोनों ने शादी करने का फैसला लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों ने 29 नवंबर 2009 को गोवा में शादी करने का फैसला किया था, लेकिन शादी से दो दिन पहले ही शिल्पा ने शादी न करने का फैसला किया था।

राहिल आजम के साथ भी जुड़ा था नाम

इससे पहले शिल्पा शिंदे का नाम राहिल आजम के साथ जुड़ा था। राहिल और शिल्पा ने सबसे पहले सीरियल भाभी (2002-2008) में साथ काम किया था। इसके बाद दोनों सीरियल हातिम (2003) में भी नजर आए थे। कुछ दिन साथ रहने के बाद दोनों आपसी सहमति से अलग हो गए थे।

एक साथ फिल्माई जाएंगी मिर्जापुर फिल्म और सीरीज

इस दिन से शूटिंग शुरू करेंगे पंकज त्रिपाठी-अली फजल

पिछले साल अक्तूबर में निर्माताओं ने मिर्जापुर- द फिल्म की घोषणा की, जिससे लोकप्रिय क्राइम ड्रामा पहली ओटीटी सीरीज बन गई, जिसे एक फिल्म के रूप में भी बनाया जाएगा। वहीं, अब इस सीरीज की शूटिंग को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, गुरमीत सिंह द्वारा निर्देशित फिल्म के साथ-साथ पंकज त्रिपाठी, अली फजल और श्वेता त्रिपाठी शर्मा अभिनीत सीरीज के चौथे सीजन की शूटिंग सितंबर 2025 से एक साथ की जाएगी।

एक साथ ले ली गईं सभी कलाकारों की तारीखें

एक फिल्म और एक सीरीज को एक साथ शूट करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निर्माताओं ने यह मानते हुए योजना बनाई कि कथात्मक में निरंतरता होगी। साथ ही तारीखों का भी अच्छी तरह से इस्तेमाल किया जाएगा। दिव्येंदु, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल और विजय वर्मा सहित अभिनेताओं से पहले ही बल्क डेट्स ले ली गई हैं। टीम उनकी तारीखों को सही तरीके से इस्तेमाल करने की योजना बनाने में कामयाब रही है, चूंकि उनसे बार-बार तारीखें लेना समझदारी नहीं है, इसलिए निर्माताओं ने दोनों प्रोजेक्ट्स को एक साथ शूट करने का फैसला किया है।

उत्तर प्रदेश में होगी शूटिंग

अगर सबकुछ योजना के मुताबिक हुआ तो शूटिंग उत्तर प्रदेश में शुरू होगी। इसका एक हिस्सा मुंबई में भी फिल्माया जाएगा। कलाकारों और क्रू के लिए एक ही समय में दो अलग-अलग प्रारूपों पर काम करना एक रोमांचक चुनौती होगी। गुरमीत इस फिल्म का निर्देशन करेंगे, जिसे पुनीत कृष्णा ने लिखा है, जो शो के निर्माता के रूप में काम करते हैं।

सैफ अली खान को ट्रोल करने वालों को पूजा भट्ट का जवाब

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। डिस्चार्ज होने के बाद खुद चलकर अपने घर आए। अभिनेता ने व्हील चेयर पर न आकर खुद चलकर आए। इसे लेकर लोग उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। इस पर अब पूजा भट्ट ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। साथ ही उनके धैर्य की सराहना भी की है।

सैफ अली खान को किया ट्रोल

इंटरव्यू में पूजा भट्ट ने कहा कि सैफ अली खान को छुट्टी मिलने के बाद उन्हें लगातार ट्रोल किया जा रहा है। अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कमजोर स्थिति में मदद मांगने के लिए कितनी ताकत की जरूरत होती है और ठीक होने के लिए उनके दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की।

दिया साहस का परिचय

पूजा भट्ट ने कहा, लेकिन क्या ये लोग यह नहीं भूलते कि उन्होंने अस्पताल में खुद चलकर जाने के लिए भी उनकी प्रशंसा की थी? एक व्यक्ति जो घायल, दर्दनाक स्थिति में खुद को अस्पताल में भर्ती कराता है, निश्चित रूप से उसके पास खुद अस्पताल से बाहर निकलने का साहस होता है। हमें साजिश रचने वालों का सहारा लेने के बजाय इसकी सराहना करनी चाहिए।

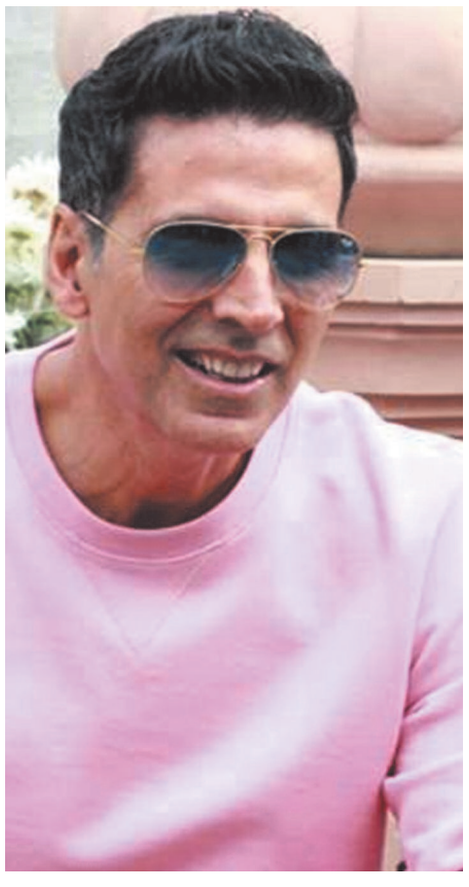

हॉलीड से लेकर बेबी तक, स्काई फोर्स ने पहले भी अक्षय कई बार दिखा चुके हैं देशभक्ति का जज्बा

अक्षय कुमार ने अपने करियर की शुरुआत एक एक्शन स्टार के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने कॉमेडी में भी अपनी छाप छोड़ी और अब वह देशभक्ति से भरपूर फिल्मों के लिए सबसे प्रमुख अभिनेता बन गए हैं। समय के साथ उन्होंने उन किरदारों को भी निभाया है जो या तो सेना के अधिकारी होते हैं या फिर समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक। उनकी आगामी फिल्म स्काई फोर्स से पहले आज हम अक्षय की उन फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं जो देशभक्ति की भावना पर आधारित हैं।

हॉलीडे

अक्षय कुमार की यह फिल्म उनके देशभक्ति यात्रा के शुरुआती दिनों में आई थी। फिल्म में वह एक भारतीय सेना के सैनिक के रूप में आतंकवादियों से अपने शहर को बचाते नजर आते हैं। ए आर मुरुगदास के निर्देशन में बनी यह फिल्म लोगों को खूब पसंद आई थी।

केसरी

केसरी फिल्म सारागढ़ी की ऐतिहासिक लड़ाई पर आधारित है, जिसमें अक्षय कुमार हवलदार ईशर सिंह के किरदार में नजर आए थे। इस फिल्म में अक्षय का किरदार को एक ऐसे नायक के रूप में चित्रित किया गया है, जो न केवल बहादुर है, बल्कि उसके पास मजबूत नैतिक मूल्य और ईमानदारी भी है।

मिशन मंगल

इस फिल्म में अक्षय कुमार ने इसरो के वैज्ञानिक राकेश धवन का किरदार निभाया है। फिल्म देशभक्ति की भावना से भरपूर है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया था। लोगों ने भी फिल्म की कहानी और इसके कलाकारों के अभिनय को काफी ज्यादा सराहा था।

गोल्ड

यह फिल्म 1948 के ओलंपिक में भारत की हॉकी टीम को लेकर बुनी गई कहानी पर आधारित है। अक्षय कुमार ने एक बंगाली कोच की भूमिका निभाई थी। फिल्म में मौनी रॉय भी नजर आई थीं।

एयरलिफ्ट

अक्षय कुमार की फिल्म एयरलिफ्ट में वह एक भारतीय व्यापारी में नजर आए थे, जो युद्धग्रस्त कुवैत से अपने देशवासियों को सुरक्षित निकालने की कोशिश करता है। इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म सुपरहिट रही थी।

बेबी

इस फिल्म में अक्षय कुमार आतंकवाद से लड़ते नजर आते हैं। फिल्म में उनके किरदार को काफी सराहना मिली थी। नीरज पांडे के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक-ठाक कारोबार करने में सफल रही थी।

अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों में अक्षय कुमार सैनिक के रूप में नजर आए थे। इस फिल्म में उनकी अदाकारी के साथ उनके संवाद भी काफी ज्यादा लोकप्रिय हुए थे। फिल्म में बॉबी देओल और अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिकाओं में थे।

छावा का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं

रश्मिका मंदाना ने ट्रेलर लॉन्च के दौरान कहा कि मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें इस फिल्म का हिस्सा बनने पर बहुत खुश हैं। रश्मिका मंदाना ने कहा मैं बहुत आश्चर्यचकित थी कि लक्ष्मण सर ने कैसे मुझे इस किरदार के लिए चुना। इस किरदार के बारे में मुझे ज्यादा नहीं पता था, इसके लिए बहुत प्रैक्टिस और रिहर्सल किया, ताकि हम अपना बेस्ट दे सकें। रश्मिका ने बताया कि सेट में सभी लोग मुझे महारानी कह कर ही बुलाते हैं निर्देशक लक्ष्मण उतेकर को लेकर रश्मिका ने कहा, वे बहुत अच्छे हैं, इस बीच लक्ष्मण सर बहुत शांति से काम करते हैं। ये फिल्म 14 फरवरी को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली है ट्रेलर लॉन्च के दौरान रश्मिका मंदाना अपने टूटे पैर के साथ पहुंचे, इस दौरान विक्की ने उनका हाथ थामे लगा रखा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी - 868 न्यू अशोक नगर दिल्ली - 110096 से मुद्रित तथा ए - 115, गली नंबर -13, नई अशोक नगर, दिल्ली - 110096 से प्रकाशित। संपादक - अमृता आर पंडित, मो - 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।